असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

24 अगस्त, 2022

सप्तदश विधान सभा — बुधवार, तिथि 24 अगस्त, 2022 ई0

षष्ठम सत्र — 02 भाद्र, 1944 (शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय - 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, अब राष्ट्रगान होगा । कृपया अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जायं ।

(राष्ट्रगान)

माननीय सदस्यगण, सभी लोग शांति से बैठ जाइए ।

(व्यवधान)

सभी लोग शांति से बैठ जाइए ।

माननीय सदस्यगण, सप्तदश बिहार विधान सभा के षष्ठम सत्र के इस विशेष उपवेशन में आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन करता हूं ।

इस संसदीय लोकतंत्र में संख्या बल की निर्णायक भूमिका होती है । मैं इसी सदन में बहुमत से निर्वाचित हुआ था । मैं माननीय मुख्यमंत्री जी और तत्कालीन नेता विरोधी दल एवं वर्तमान के उप-मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझे इस आसन पर बिठाया था । अपने इस संक्षिप्त कार्यकाल में मैंने कई कार्य किए, कई कार्यक्रम आयोजित किए । मैंने हमेशा यह प्रयास किया कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को साथ लेकर चलूं । पूरी निष्पक्षता से मैंने सदन के अपने दायित्व का निर्वहन करने का प्रयास किया । हमेशा मैंने विधान सभा के आप सभी सदस्यों की मान-मर्यादा एवं सदन की गरिमा को बढ़ाने का प्रयत्न किया । एक नये राजनीतिक घटनाक्रम के तहत राजनीतिक दलों का नया गठबंधन हुआ । नई सरकार का गठन हुआ । बिना किसी विवाद के नई सरकार ने शपथग्रहण भी किया और अपना कार्य करने लगी परन्तु इसी बीच सदन के कतिपय माननीय सदस्यों के कारण कुछ सदस्यों ने अध्यक्ष पद से हटाए जाने का संकल्प प्रस्तुत किया ।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र में परिस्थितियां और समय दोनों परिवर्तनशील हैं । डॉ0 राधाकृष्णन ने अपने एक लेख में लोकतंत्र के बारे में लिखा है जो बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री बाबू और इस आसन पर बैठे हुए उस समय के अध्यक्ष हमारे परम श्रद्धेय विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा जी थे । उस समय भी इस तरह का अविश्वास प्रस्ताव आया था और उस समय यह कोट किया गया था कि -

''लोकतंत्र की व्यवस्था के अनुसार राजव्यवस्था में बहुमत या अल्पमत की निहित अधिकार का रक्षण नहीं होकर सभी के अधिकारों का संरक्षण होता है । लोकतंत्रीय व्यवस्था में यदि किसी भी अल्पमत को हतोत्साहित या चुप करने का बलात प्रयत्न दिखलायी दिया तो यह अनाचारी व्यवस्था बन जाती है ।'' और हमेशा यह ध्यान में रहे कि अनाचारी व्यवस्था शासन तंत्र को अत्याचार, व्याभिचार तथा भ्रष्टाचार के पथ पर अग्रसर करता है, जिसका परिणाम हम, आप सभी देखे हैं, गवाह हैं ।

हम सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करेंगे कि आपकी भावनाओं के अनुरूप आसन की मर्यादा का ध्यान रखकर हम अवश्य निर्णय लेते लेकिन मुझे अफसोस है कि ऐसा करने का मुझे अवसर ही नहीं दिया गया । सरकार का 09 अगस्त को इस्तीफा देना और 10 अगस्त को नई सरकार का प्रस्ताव देना - लोकतंत्र में बहुमत के हिसाब से ये परंपरा, नैतिकता पर हम चर्चा नहीं करेंगे । लोकतंत्र की खूबसूरती कहें या लोकतंत्र की बदसूरती कहें, यह जनता के ऊपर छोड़ते हैं या लोकतंत्र का तकाजा है ।

नई सरकार के गठनोपरांत मैं स्वतः अपने पद का परित्याग कर देता, लेकिन इसी बीच प्रेस मीडिया और अखबारों से मालूम हुआ कि 09 अगस्त को लोगों ने मेरे खिलाफ सचिव को अविश्वास प्रस्ताव की सूचना भेजी है । उस दिन सार्वजनिक अवकाश था । पुनः 10 अगस्त को सरकार गठन के पूर्व ही लोगों ने अविश्वास प्रस्ताव सचिवीय कार्यालय में जाकर दिया । इस परिस्थिति में उनके अविश्वास के आरोप का सही जवाब देना हमारी नैतिक जिम्मेवारी बन गयी क्योंकि यदि हम इस्तीफा दे देते तो उनके आरोप का जवाब उन्हें नहीं मिल पाता ।

माननीय सदस्यगण, आप सभी बिहार में लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंदिर के पुजारी हैं । मैं आप सभी को यह बताना चाहूंगा कि आपने जो अविश्वास प्रस्ताव लाया है, वह अस्पष्ट है । नौ माननीय सदस्यों का पत्र मिला, जिसमें से 8 लोगों का प्रस्ताव नियमानुकूल प्रतीत नहीं होता है । एक माननीय सदस्य श्री ललित यादव जी द्वारा दिया गया है, जो अब माननीय मंत्री हैं, जिसमें यह वर्णित है कि आप विश्वासमत खो चुके हैं, यह मुझे सही लगा । लेकिन मुझ पर अन्य आरोप जो कुछ माननीय सदस्यों द्वारा लगाया गया है - मनमानी करने का, व्यवहार अलोकतांत्रिक रखने का, तानाशाही प्रवृत्ति का, माननीय सदस्य खासकर श्री चंद्रशेखर जी जो अब माननीय शिक्षा मंत्री हैं, उन्होंने कहा है कि मुझसे गौरवशाली परंपरा शर्मसार हुई ।

माननीय सदस्यगण, 20 माह के बहुत छोटे से मेरे कार्यकाल में सदन में शत-प्रतिशत प्रश्नों के उत्तर का आना, कुछेक दिन छोड़कर लगभग शत-प्रतिशत सदन

का चलना, पक्ष और प्रतिपक्ष में भेद नहीं करना, दोनों पक्षों से सदन चलाने में सकारात्मक सहयोग मिलना । मैं आभारी हूं कि दोनों पक्ष के सदस्यों ने मुझे सहयोग किया है । माननीय सदस्यों को पूरक प्रश्नों का अवसर ज्यादा से ज्यादा देना । हमारे माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, शिक्षा मंत्री जी भी थे, इनके एक प्रश्न पर 16 पूरक हुआ था । हमको लगता है कि इस विधान सभा की भी एक नई खूबसूरती थी । शून्यकाल की संख्या बढ़ाकर लेना, सदन को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना, सदन की कार्यवाहियों को यू-ट्यूब से लाइव करना, उसे सुदूर गांवों तक पहुंचाना, माननीय सदस्यों तथा उनके पी0ए0 को डिजिटल वातावरण से जोड़कर उसका लाभ पहुंचाने का कार्य करना, माननीय सदस्यों के मान-सम्मान के लिए अभ्यावेदन एवं प्रोटोकॉल समिति का गठन करना, विभागों के द्वारा गलत उत्तर आने पर संबंधित विभागों से स्पष्टीकरण लेना, क्या ये तानाशाही प्रवृत्ति है ? क्या यह अलोकतांत्रिक क्रिया थी ? क्या यह सदन की मर्यादा और गरिमा को तार-तार करना था ? क्या यह अध्यक्ष की हैसियत से अलोकतांत्रिक और स्थापित परम्पराओं के विरुद्ध था ?

बिहार विधान सभा भवन शताब्दी वर्ष समारोह माननीय मुख्यमंत्री जी के सहयोग से शुभारंभ हुआ । माननीय राष्ट्रपति महोदय की सामाजिक नैतिक संकल्प अभियान की शुरुआत हुई, माननीय मुख्यमंत्री जी भी समाज सुधार के रूप में उसको लेकर चले, सामाजिक नैतिक संकल्प अभियान को लेकर मैंने भी हर जिला के अंदर यह पूरा वातावरण बनाया, माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से उन्होंने प्रेरित किया, उत्साहित किया । विधान सभा परिसर में शताब्दी स्मृति स्तंभ की आधारशिला रखना, बोधिवृक्ष के शिशु पौधे का रोपण, सत्रहवीं विधान सभा के माननीय सदस्यों को लोकसभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी का मार्गदर्शन मिलना । देश की आजादी के बाद पहली बार देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विधान सभा परिसर में आना और लोकसभा के सेंट्रल हॉल में लगे बिहार के प्रतीक चिन्ह को दर्शाते हुए ऐतिहासिक शताब्दी स्मृति स्तंभ का लोकार्पण करना,

क्रमशः

टर्न-2/यानपति/24.08.2022

(क्रमशः)

अध्यक्षः बिहार विधान सभा के सौ वर्षों के सफरनामा से संबंधित विधान सभा संग्रहालय का शिलान्यास, विधान सभा के अतिथियों के लिए अत्याधुनिक गेस्ट हाउस का शिलान्यास प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से कराना, शताब्दी औषधीय उद्यान में उनके कर कमलों से

कल्पतरू पौधों का रोपण कर एक सकारात्मक ऊर्जा संचार के लिए रचनात्मक वातावरण बनाना, इन सब कार्यों से सदन की गरिमा इन सब कार्यों से बढ़ी है या घटी है, निर्णय सदन के सदस्यों को करना है । मैं इन सब कार्यों के मूल्यांकन की जिम्मेवारी बिहार की जनता पर भी छोड़ता हूं । इस सदन में संविधान का ज्ञान हमारे अभिभावकों से मिलता है। इस ज्ञान, संविधान के ज्ञाता के व्यवहार को बिहार ही नहीं पूरे देश ने देखा है और इतिहास इसका समालोचक है, इसका भी निर्णय, लोकतंत्र में मालिक जनता है, अंतिम निर्णय उसी का होता है । माननीय मुख्यमंत्री जी आसन के प्रति जो आपका सम्मान था, आपके द्वारा जो सहयोग मिला उसको कहने की जरूरत नहीं क्योंकि आपही का नहीं, नेता प्रतिपक्ष के नाते जो आज उपमुख्यमंत्री हैं, सभी सदस्यों का सदन और बिहार की जनता, लाइव होता था, देखती थी । उत्कृष्ट विधायक और उत्कृष्ट विधान सभा पर जब हमने बहस कराने का प्रस्ताव रखा मेरे मन के अंदर यह इच्छा थी कि बिहार विधान सभा का शताब्दी वर्ष हम मना रहे हैं, सौ वर्ष के गवाह नहीं, भागीदार बन रहे हैं तो हमारी विधान सभा और हमारे विधायक उत्कृष्ट बनें । आप सबों ने उसमें भागीदारी की । हमने लोभ और भय से मुक्त होकर इस आसन की मर्यादा और गरिमा के अनुरूप सभी को सम्मान दिया, अपने दायित्वों का निष्पक्ष निर्वहन कर सदन की प्रतिष्ठा बढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी । विधायिका की गरिमा बढ़े, उसका सम्मान बढ़े, प्रशासनिक अराजकता पर अंकुश लगे, सरकार की नीति, घोषणा, कार्यक्रमों और खासकर भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति, न्याय के साथ विकास, न बचाते हैं, न फंसाते हैं के सिद्धांतों को इस सदन के माध्यम से भी लागू करने का ईमानदारी से हमने प्रयास किया । इसमें कुछ लोगों की परेशानी बढ़ी, जिसकी चिंता हमने कभी नहीं की । मैं सदन को यह अवगत कराना चाहता हूं कि आज मेरे ऊपर कोई भी मुकदमा या आपराधिक मामला नहीं है और कई ऐसे माननीय सदस्य बैठे हैं जो इसी तरह की स्वच्छ छवि के हैं, लेकिन उनकी छवि को बचाने की जिम्मेवारी हम सबों की है । हर अच्छे लोगों को संरक्षित और सुरक्षित रखने का, यह सदन ही नहीं तमाम अच्छे लोग हर दल के अंदर, हर समाज के अंदर होते हैं क्योंकि बिहार की जो विरासत थी, हमारी सांस्कृतिक विरासत हो, बौद्धिक विरासत हो, उत्कर्ष पर था, पूरा देश ही नहीं दुनिया इससे सबक लेती थी, वह विरासत ठहर गई, वह विरासत रुक गई, हम सबकी जिम्मेवारी है ठहरी हुई विरासत को बढ़ाने की लेकिन दुर्भाग्य से जो आरोपित और कलंकित हैं, वह स्वच्छ छवि को भी कलंकित करने का प्रयास करते हैं । उनके नजरिये में स्वभावतः शामिल रहता है । आज डिजिटल युग है । बदलते समय में लोग उसके बारे में आसानी से जान लेते हैं । छोटे हृदय से हम बड़ा

सपना नहीं देख सकते और विकारों से मुक्त हुए सामाजिक सद्भाव और भ्रष्टाचार मुक्त विकास कभी नहीं हो सकता । हमारी कथनी-करनी में जबतक अंतर रहेगा, तबतक लोगों का विश्वास जो जनता का हम लेकर आते हैं उनकी श्रद्धा के पात्र हम नहीं बन सकते, माननीय सदस्यगण, इसके लिए हमको सजग रहना है । माननीय सदस्यगण, इस भवन के और विधान सभा के सौ साल पूरे हो चुके हैं । अबतक कितने लोग इस मंदिर के पुजारी बन कर आये और विदा हो गये । लोग आये-गये, यह सिलसिला समय के साथ जारी है, आगे भी जारी रहेगा, लेकिन इस सदन की मर्यादा और गरिमा को अक्षुण्ण रखने में जिन्होंने अपनी महती भूमिका निभायी, हम उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी अर्पित करते हैं, हम नमन करते हैं और उनकी प्रेरणा भी प्राप्त करते हैं । इतिहास ने उन्हें बड़े आदर से स्थान भी दिया है । हमें यह बात याद रखनी होगी कि यह सदन हमसे जरूर है, लेकिन यह सदन हम सबसे सर्वोपरि है और आसन तो पंच परमेश्वर जैसा है । आप सबों ने आसन पर अविश्वास जताकर क्या संदेश देना चाहा, यह जनता तय करेगी । हमें इसकी गरिमा को बढ़ाना है और यही काम मैंने अपने छोटे से कार्यकाल में किया है । अंत में मैं कहना चाहूंगा कि अपने 20 माह के संक्षिप्त कार्यकाल में हमने संपूर्ण सदन का चालक बन कर इसे ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास किया, कभी चालाक बनकर सदन के अंदर लोगों को बरगलाने का काम नहीं किया । अपनी जिम्मेवारियों को स्थापित नियमों और परंपराओं के तहत निष्पक्ष होकर बिना राग-द्वेष, लोभ-लालच, भय-मोह के हमने अपने कर्तव्य का निर्वहन किया है । यही आग्रह आप सबों से है कि लोकतंत्र में जनता के द्वारा दिये गये अधिकार का आप भी सही दिशा में उपयोग कर उनका विश्वास जीतें तथा लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करें । आपसे हमारा निवेदन और आग्रह होगा कि आपने जिस तरह से बहुत कम अंतर रहते हुए सदन में एक सकारात्मक वातावरण बनाया, सहयोग किया, आनेवाले समय में हमारी शुभकामना भी रहेगी, जो भी इस आसन पर बैठेंगे, विपक्ष की आवाज को जिस तरह से हमलोगों ने संरक्षित करने का काम किया और विपक्ष ही नहीं सत्ता पक्ष का, सभी विधायकों का, विधायकों का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए प्रखंड स्तर पर उनके कार्यालय का, उनके अपने फंड से भी व्यवस्था बनाने का, विधायिका को एक बार पुनः आग्रह करेंगे इस आसन से, अध्यक्ष के नाते कि विधायिका का सम्मान बढ़े ।

...क्रमशः..

टर्न–3/अंजली/24.08.2022

(क्रमशः)

अध्यक्ष : जब–जब विधायिका मजबूत हुई है प्रशासनिक अराजकता हटी है और विधायकों ने जनता के हित में अपनी जान से बढ़कर काम किया है । सभी दलों के नेता से विमर्श भी हमने कई बार किया, सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंचा, विशेषाधिकार कमिटी के माध्यम से अराजकता उत्पन्न करने वाले पदाधिकारियों पर मुख्यमंत्री जी के द्वारा ही अंकुश लगाया गया है, जो कमी रह गई है उस पर लगनी चाहिए और अब माननीय अध्यासी सदस्य जिनको सभी सदस्य श्रद्धा से और निर्विकार रूप से निर्विवादित माननीय नरेंद्र नारायण यादव जी आसन को संभालेंगे और जो सरकार के विषय तय हैं उस विषय का संचालन करेंगे, स्वस्थ बहस भी होगी । बिहार का संदेश क्योंकि बिहार लोकतंत्र की जननी है इसका संदेश जो खूबसूरती हम सबों ने मिलकर प्रकट की है यह पूरा देश और दुनिया देख रही है । दो घंटे की बहस जो परंपरा है, नियम है, रहेगी । सदन की कार्यवाही स्थगित करने के पूर्व अपने पद से बहुमत का सम्मान करते हुए इस्तीफा देता हूं और दो बजे दिन में सदन पुनः प्रारंभ होगा ।

अब सदन की कार्यवाही 02.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-4/सत्येन्द्र/24-08-2022

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर श्री नरेन्द्र नारायण यादव, सभापति ने आसन ग्रहण किया)

सभापति(श्री नरेन्द्र नारायण यादव): अब सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है।

माननीय सदस्यगण, मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ । आज सदन की प्रथम पाली में माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा के द्वारा मुझे आसन के संचालन का कार्यभार दिया गया है । साथ ही माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा ने तत्काल अपने पद से इस्तीफा भी दे दिया है । ऐसे में मैं यहां संविधान के एक प्रावधान का उल्लेख करना आवश्यक समझता हूँ:-

संविधान के अनुच्छेद 180 में वर्णित है कि- अध्यक्ष के पद के कर्त्तव्यों का पालन करने या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की उपाध्यक्ष या अन्य व्यक्ति की शक्ति:-

(1) जब अध्यक्ष का पद रिक्त है तब उपाध्यक्ष या यदि उपाध्यक्ष का पद भी रिक्त है तो विधान-सभा का ऐसा सदस्य, जिसको राज्यपाल इस प्रयोजन के लिए नियुक्त करे, उस पद के कर्त्तव्यों का पालन करेगा ।

माननीय सदस्यगण, आज इस सदन में जब अध्यक्ष का पद रिक्त है एवं उपाध्यक्ष, बिहार विधान-सभा सदन में मौजूद हैं । इसलिए मैं माननीय उपाध्यक्ष, श्री महेश्वर हजारी जी से आग्रह करता हूँ कि वे आसन पर आयें और सदन की कार्यवाही का संचालन करें ।

(इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

उपाध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आज सदन में महत्वपूर्ण कार्य का निष्पादन होना है । सर्वप्रथम बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 219(1) के अधीन सप्तदश बिहार विधान-सभा के षष्ठम सत्र के लिए कार्य मंत्रणा समिति का पुनर्गठन निम्न प्रकार करता हूँ:-

श्री महेश्वर हजारी उपाध्यक्ष,बिहार विधान-सभा	सभापति
श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री	सदस्य
श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री	सदस्य
श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री, संसदीय कार्य	सदस्य
श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री, ऊर्जा	सदस्य
श्री आलोक कुमार मेहता, मंत्री	सदस्य
श्री तारकिशोर प्रसाद, स0वि0स0	सदस्य

श्री अजीत शर्मा, स0वि0स0 सदस्य

विशेष आमंत्रित सदस्य

श्री जीतन राम मांझी, स0वि0स0

श्री महबूब आलम, स0वि0स0

श्री राम रतन सिंह, स0वि0स0

श्री अजय कुमार, स0वि0स0

श्री प्रेम कुमार, स0वि0स0

नियमानुसार उपाध्यक्ष इस समिति के सभापति तथा सभा सचिव इसके सचिव होंगे ।

माननीय सदस्यगण, आज के लिए निर्धारित महत्वपूर्ण कार्य के निष्पादन के पूर्व अभी तुरंत इस नवगठित कार्यमंत्रणा समिति की बैठक मेरे कार्यालय कक्ष में होगी । समिति के सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे इस बैठक में भाग लेने की कृपा करेंगे ।

अब सदन की कार्यवाही 2.20 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-5/मधुप/24.08.2022

(स्थगन के उपरांत)

(इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

उपाध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

माननीय सदस्य, श्री तारकिशोर प्रसाद जी ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि

''आज दिनांक-24 अगस्त, 2022 की कार्य मंत्रणा समिति के प्रतिवेदन पर सभा की सहमति हो ।''

उपाध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''आज दिनांक-24 अगस्त, 2022 की कार्य मंत्रणा समिति के प्रतिवेदन पर सभा की सहमति हो ।

समिति ने निम्न सिफारिशें की है :-

शुक्रवार, दिनांक-26 अगस्त, 2022 को सभा की बैठक हो ।''

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

प्रतिवेदन पर सभा की सहमति हुई ।

अब सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक-26 अगस्त, 2022 को भी होगी ।

माननीय सदस्यगण, अब वर्त्तमान मंत्रिपरिषद् द्वारा लाये गये विश्वास प्रस्ताव पर विमर्श होगा ।

<u>विश्वास प्रस्ताव पर विमर्श</u>

उपाध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री जी ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि

''यह सभा वर्त्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है ।''

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री तारकिशोर प्रसाद जी, अपना पक्ष रखें ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, बिहार लोकतंत्र की जननी रही है और आधुनिक बिहार के लोकतंत्र के मंदिर में हम सब आज बैठे हैं । कभी हम सत्तापक्ष में बैठते हैं, कभी विपक्ष में बैठते हैं, यह रफ्तार चलती रहती है, यह लोकतंत्र की खूबसूरती है लेकिन आज जो सदन की स्थिति है, आज हम विपक्ष में हैं, कुछ लोग सत्तापक्ष में बैठे हुये हैं, यह जनादेश के कारण नहीं है ।

उपाध्यक्ष महोदय, 9 अगस्त, 2022 को बिहार के अंदर जिस प्रकार से 2020 में जो जनादेश एन0डी0ए0 को मिला था और उसके बाद जो परिस्थितियॉं बनी थीं, उसका गला घोंटने का काम किया गया है । उपाध्यक्ष महोदय, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और निजी स्वार्थ के पीछे जो प्रपंच और स्वार्थ की पृष्ठभूमि रची गई, यह बिहार को जंगलराज की ओर, एक अंधेरे सुरंग की ओर ले जाता है । महोदय, राजद और अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन कर माननीय मुख्यमंत्री जी ने जहॉं एक जनादेश का अपमान किया है, वहीं दूसरी ओर बिहार को इस डगर पर ले जाकर छोड़ा है कि बिहार की जनता किंकर्त्तव्यविमूढ़ है और इस खेल को बेहतर ढंग से समझने का भी काम कर रही है । 1990 से लेकर 2005 तक बिहार में जिस प्रकार से जंगलराज चल रहा था और उसके खिलाफ जिस प्रकार से श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एन0डी0ए0 की सरकार बनी और उस सरकार के आने के बाद बिहार की जो परिस्थितियॉं बनी है, यह बताने की जरूरत नहीं है, बिहार का आम आवाम उसके स्पंदन को महसूस किया है । लेकिन इस राज्य का नेतृत्व ऐसे हाथ में रहा, हमें अफसोस के साथ भी कहना पड़ता है उपाध्यक्ष महोदय, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और अवसरवादी राजनीति के पोषक के हाथ में यह नेतृत्व चला गया और जब-जब बिहार में विकास की रफ्तार पकड़ना चाही तब-तब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा इस विकास के पथ पर आड़े आती रही ।

महोदय, मुझे तो इस बात का अफसोस है कि श्री नीतीश कुमार जी जिस दल का लम्बे वक्त से नेतृत्व कर रहे हैं बिहार की सरकार में, अपने बूते आज तक वह सरकार नहीं बना पाई और केन्द्र में प्रधानमंत्री के रूप में जो महत्वाकांक्षा समय-समय पर इनकी जगती है, जो 2013 में भी जगी और 2022 में भी जगी है । महोदय, ऐसा दल जो कभी बिहार में अपने बूते सरकार नहीं बनाई, वह केन्द्र में सरकार बनाने की बात करता है । महोदय, महत्वाकांक्षा रखना खराब बात नहीं है, राजनीतिक जीवन में कई महत्वाकांक्षाएँ होती हैं लेकिन जब सत्य एवं व्यवहारिकता की कसौटी पर कसे बिना जो महत्वाकांक्षा पाली जाती है वह केवल घातक ही नहीं होती है बल्कि लोकतंत्र के जड़ को और जनादेश को भी हिलाने का काम करती है ।

महोदय, मैंने आपको पहले भी बताया कि 2013 में इसी प्रकार की महत्वाकांक्षा जागी थी और इन्होंने अलग राह पकड़ने का काम किया था । 2014 में जब लोकसभा के चुनाव में बिहार की जनता ने इन्हें 2 पर लाकर ठहरा दिया तो स्वाभाविक है कि उन्हें मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा । इनके बाजू में इतनी ताकत नहीं थी कि वे लोकसभा के चुनाव में अपनी हैसियत से सीटें ले आते । अब उसके बाद

महादलित का बेटा जो बिहार का सम्माननीय मुख्यमंत्री रहा है, श्री नीतीश कुमार जी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का काम किया था । हम सबों को भी लगा था कि महादलित का बेटा आज बिहार का मुख्यमंत्री बना है लेकिन जिस तरीके से उन्हें सत्ता से च्युत किया गया, मुख्यमंत्री पद से हटाया गया और नीतीश कुमार जी स्वयं मुख्यमंत्री के पद पर बैठ गये । महोदय, 2015 में महागठबंधन के साथ राष्ट्रीय जनता दल से इन्होंने हाथ मिलाया, फिर 2017 में परिस्थितयाँ बदली, हम तो चाहते थे कि बिहार का विकास जिसको 2005 में हम सबों ने एक उड़ान दिया था, एक पंख दिया था, उस उड़ान को मुकाम तक पहुँचाने का काम करें । पुनः ये फिर एन0डी0ए0 के साथ आ गये, हम सबों ने भी स्वीकार किया क्योंकि हमें एक ललक थी कि बिहार को हम विकास के अंतिम उंचाई तक ले जाने का काम करेंगे और जब 2019 में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सब साथ चुनाव लड़े तो बिहार में लोकसभा की सीट हम सब 39 जीते जिसमें 16 जनता दल यूनाइटेड ने जीता और 17 हम जीते । यह जो 16 सीटें हैं, ये नरेन्द्र मोदी की बदौलत था । नरेन्द्र मोदी ने यह साख पैदा की पूरे देश में और बिहार की धरती पर की 40 में से 39 सीटें हम सबों ने जीतने का काम किया ।

..क्रमशः..

टर्न–6/आजाद/24.08.2022

..... क्रमशः .....

श्री तारकिशोर प्रसाद : इतना ही नहीं महोदय, 2020 के विधान सभा चुनाव में पुनः एन0डी0ए0 गठबंधन को बहुमत मिला और हमलोगों ने 74 सीटों पर चुनाव जीता और इन्होंने 43 सीटों पर जीत दर्ज की । लेकिन हमारा नेतृत्व ने वादा किया था एन0डी0ए0 गठबंधन का नेतृत्व आप करेंगे, श्री नीतीश कुमार जी करेंगे और हमने उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार किया । यही एक ताकत है भारतीय जनता पार्टी की, यही भारतीय जनता पार्टी की विश्वसनियता भी है । महोदय, हम सब एक कार्यक्रम के तहत 2020 में एन0डी0ए0 की सरकार बनाये थे । बिहार के सात निश्चय–2 के विभिन्न आयाम हैं, उन पर हम सबों ने काम किया था । लेकिन मुझे तो लगता है कि हिन्दुस्तान की राजनीति में, बिहार की राजनीति में पहला यह अवसर है सरकार तो बन गई लेकिन इनके मुद्दे कहीं दिख नहीं रहे हैं । महोदय, इतना ही नहीं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को और उप मुख्यमंत्री जी को भी बताना चाहते हैं –

सियासत के रंगत में न डूबो इतना,
कि वीरों की शहादत भी नजर न आये,

जरा सा याद कर लो अपने वायदे जुबां को,
अगर तुम्हें अपना जुबां का कहा याद आ जाय ।

महोदय, भारतीय जनता पार्टी कभी स्वार्थ और अवसरवादिता की राजनीति नहीं की । हमलोग कई राज्यों में अपने सहयोगी दलों के साथ सरकार चला रहे हैं । इतना ही नहीं महोदय, हम बिहार में भी सफलतापूर्वक अपनी सरकार को चला रहे थे । लेकिन मुख्यमंत्री जी की व्यक्तिगत महत्वकांक्षा और जो स्वार्थ के कारण यह जो असहज स्थिति बनी और इससे पूरा राज्य भी आज कहीं न कहीं किंकर्त्तव्यविमूढ़ है । महोदय, आपने देखा होगा कि 10 अगस्त को यह सरकार सत्ता में आयी है और 15 दिन भी ठीक से नहीं बीते हैं लेकिन पूरे राज्य में अपराध की क्या स्थिति बनी, पूरे राज्य में जो घटनायें लगातार हो रही है, इसके कारण जो परिस्थितियां बनी है, आज पूरे बिहार को अराजकता के मुँह में धकेला जा चुका है महोदय । इतना ही नहीं जिस प्रकार से हिन्दुओं के भावनाओं को अपमानित किया गया, उनके धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाया गया, यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति सरकार ने बनायी है । महोदय, अभी एक रिपोर्ट हम सब देख रहे थे कि मंत्रिमंडल में 72 प्रतिशत लोग अपराधी प्रवृत्ति के हैं, 23 मंत्रियों का नाम आ रहा है, जो अपराधी और दागी हैं, उनपर मुकदमा चल रहे हैं ।

उपाध्यक्ष : टीका-टिप्पणी मत कीजिए, शांति बनाये रखिए ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : मंत्रिमंडल में इतनी बड़ी संख्या में मंत्री दागी हों, उस मंत्रिमंडल से सुशासन की चाहत आप नहीं कर सकते हैं । महोदय, 2017 में महागठबंधन से जिस प्रकार से भ्रष्टाचार और जनता दल यूनाईटेड को कमजोर करने की साजिश का आरोप लगाकर ये राष्ट्रीय जनता दल से अलग हुए थे, क्या वो सारे मुद्दे समाप्त हो गये । जिस भ्रष्टाचार के आधार पर राष्ट्रीय जनता दल को छोड़ा था, वो सारे मुद्दे समाप्त हो गये महोदय, क्या वो सारे भ्रष्टाचारी आज सदाचारी हो गये? सारे मामले चल रहे हैं लेकिन जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के नाम पर और सुशासन बाबू के नाम पर इन्होंने एक पहचान बनायी थी, उसको इन्होंने स्वयं तार-तार करने का काम किया । महोदय, पूरे सदन को पता है कि हमारे माननीय पूर्व उप मुख्यमंत्री पर एक आरोप में तुरंत उनसे इस्तीफा ले लिया गया था। जहां इस प्रकार से आप पूर्व उप मुख्यमंत्री से इस्तीफा ले सकते हैं, वहां पर इस तरह के आरोपों के घेरे में फंसा मंत्रियों के साथ आप आज सरकार में हैं, महागठबंधन की सरकार में हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है । कहां गया वो जीरो टोलरेंस, माननीय मुख्यमंत्री जी सारी चीजें लगता है कि प्रधानमंत्री बनने के चक्कर में आपकी सारी चीजें छूटती चली जा रही है । महोदय, मैं आपको कुछ बातें कहना चाहता हूँ, ये सारी बातें ऑन रेकॉर्ड है, यह

हमारी कही हुई बात नहीं है । आज महागठबंधन जिन कारणों से बना है और जिनके साथ आप सरकार बनाये हैं, उन्होंने कब-कब किनको क्या-क्या कहा था, उसकी एक वानिगी हम आपको बताना चाहते हैं ।

महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी को याद कराना चाहते हैं कि जब आप याद कीजिए अपने पुराने दिनों को, जब जनता पार्टी से लेकर लोक दल, जनता दल, समता पार्टी का आपका लम्बा सफर तय किया और आपने कितने को राजनीतिक बलि दी है । याद करें महोदय जोर्ज फर्नांडिश एवं शरद जी को भी इन्होंने बलि देने का काम किया है। महोदय, श्री लालू प्रसाद .....

(व्यवधान)

श्री अशोक चौधरी, मंत्री : महोदय, ये जिस भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए .....

(व्यवधान)

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, आप जिनके साथ नाता जोड़े हैं, उसने आपको भी ठगा है तेजस्वी जी। महोदय, तेजस्वी जी आप याद करें, आपने इसी सदन में कहा था, ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको नितीश कुमार ने ठगा नहीं, हमारे माननीय नेता श्री लालू प्रसाद जी, जो तेजस्वी जी के पिता जी हैं, उन्होंने भी कहा था कि श्री नीतीश कुमार जी राजनीतिक पलटूराम हैं और एक विशेषण में कहा भी गया था कि कुर्सी कुमार हैं । ये बातें महोदय मेरी कही हुई नहीं है, आज जो दोनों दल जिस प्रकार से अपने स्वार्थ के चलते आज एक साथ बैठे हैं, उन्होंने एक-दूसरे के बारे में सारी टिप्पणियां की हैं । बिहार की जनता समझ रही है, तेजस्वी जी आपको एक बात याद दिलाना चाहते हैं कि जब उस समय शिक्षक और छात्र आन्दोलन कर रहे थे, सरकार से आपने स्थायी शिक्षक की नियुक्ति की मांग की थी और उसके प्रत्युत्तर में माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो कहा था, वह रेकॉर्ड में है, मैं उन पंक्तियों को सिर्फ कहना चाहता हूँ- कहां से देंगे तेजस्वी शिक्षकों को वेतन, कहां से लायेंगे पैसा, जाली नोट लेकर आयेंगे, जेल से नोट भेजेंगे या जो घोटाले का पैसा रखे हैं, उसको लाकर देंगे, कहां से देंगे ये वेतन के लिए पैसा, आपने जो घोटाला शब्द का प्रयोग किया, जाली नोट का प्रयोग किया, जेल से नोट लाने की बात जो कही, आखिर किस संदर्भ में कही माननीय मुख्यमंत्री जी । इतना ही नहीं, माननीय मुख्यमंत्री जी आपकी राजनीतिक विश्वसनियता बिहार में समाप्त हो चुकी है । श्री लालू प्रसाद जी ने आपको पलटूराम की संज्ञा दी, आज पूरे बिहार की जनता बोल रही है, आज बिहार का बच्चा-बच्चा बोल रहा है । जो थोड़ा भी राजनीतिक सूझ रखता है । महोदय, ऐसे

नेतृत्वकर्त्ता जिस पर एन0डी0ए0 ने भरोसा किया, आज पूरा बिहार आप पर शर्मसार हो रहा है । महोदय, तेजस्वी जी आज यहां बैठे हैं, अपने चाचा जी के बारे में एकबार ए0बी0पी0 टी0वी0 चैनल को इन्होंने कहा था, उसकी पंक्तियों को दोहराना चाहता हूँ । वकिल लाईए, एफेडेविड करवा लीजिए, नीतीश जी के साथ कभी नहीं जाऊंगा, उनकी क्रेडेबिलिटी समाप्त हो गई है, यह अचानक उनकी क्रेडेबिलिटी फिर वापस हो गयी है, क्योंकि आप इनके साथ हो गये हैं ।

..... क्रमशः .....

टर्न–7/शंभु/24.08.22

श्री तारकिशोर प्रसाद : क्रमशः महोदय, एक अन्य चैनल में भी इन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति को सिर्फ कुर्सी से प्यार हो उसकी क्या गारंटी है, नीतीश जी वापस आ जाएं और फिर से वापस नहीं चले जाएं, ऐसे लोगों को फिर से मौका देना तो सबसे बड़ी भूल की तरह होगा । यह श्री तेजस्वी यादव जी ने श्री नीतीश कुमार जी के बारे में कहा है । महोदय, माननीय नेता श्री लालू प्रसाद जी ने भी इनके बारे में टिप्पणी की कि नीतीश जी के पेट में दांत है और इतना ही नहीं जनता दल युनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन जी ने भी कहा कि श्री नीतीश कुमार जी के अंतरी में दांत है । यह मैं नहीं कहा हूँ महोदय, यह आप ही लोग कह रहे हैं । महोदय, श्री लालू प्रसाद जी ने एक बात और कहा कि जब–जब ये बीमारी का बहाना बनाते हैं तो समझ लो कि नीतीश कुमार जी की पलटनी मारने की तैयारी चल रही है । महोदय, पूर्व मुख्यमंत्री सम्माननीय श्रीमती राबड़ी देवी जी ने भी एक बात कही थी उसको हम दुहराना चाहते हैं । आजतक चैनल के एक रिपोर्टर को उन्होंने कहा था कि आर0जे0डी0 और जे0डी0यू0 के विलय के लिए हमारे सामने लालू जी को समझा रहे थे कि देखिए ऐसा करिये कि नीतीश कुमार जी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की घोषणा कर दीजिए, जे0डी0यू0 पार्टी का विलय आर0जे0डी0 में करा दीजिए । उसके बाद 2020 के चुनाव में तेजस्वी जी को हमलोग मुख्यमंत्री बनायेंगे । ऐसा नीतीश जी का कहना है । उसी इन्टरव्यू में तेजस्वी जी ने, आपने भी कहा था पहले प्रयोजन आर0जे0डी0 के साथ विलय का था बात नहीं बनी तो वह कांग्रेस में चारा डालना शुरू किये । देखिए नीतीश जी की कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है । बिहार में बहुत कोशिश किये, खुद तो नहीं बोलते लेकिन बोलवाने में माहिर हैं, दिखते ऐसे हैं जिससे किसी चीज में फंसना नहीं चाहते, लेकिन फिल्डिंग करते रहते हैं और इसी फिल्डिंग का यह परिणाम है कि ये लोग उधर हैं और हमलोग इधर हैं । महोदय, 2017 को याद करते हैं लालू जी ने श्री नीतीश कुमार की तुलना सांप से की थी । जैसे सांप

केचुल छोड़ता है वैसे ही नीतीश जी भी केचुल छोड़ते हैं और हर दो साल में सांप की तरह नया चमरा धारण कर लेते हैं । (व्यवधान) सांप और बिच्छु समझ गये होंगे, सरकार और गठबंधन का अदला बदली करते रहते हैं । आखिर नीतीश जी, हम राष्ट्रीय जनता दल को सिर्फ चेताना चाहते हैं कि अगली बार ये केचुल कब छोड़ेंगे आपलोग सावधान रहियेगा । हम सबों ने तो भरोसा किया और उसी भरोसे का परिणाम है कि हम सब इधर हैं और इधर भी हैं तो बड़ा शांत हैं, लेकिन ये दो साल के बाद कब केचुल छोड़ेंगे इसका ध्यान आपलोग रखियेगा, इतना ही आगाह करना चाहते हैं । महागठबंधन में शामिल राजद जदयू में.....

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : किसी को प्रधानमंत्री बनने की चिंता है तो किसी को मुख्यमंत्री बनने की चिंता है । विशुद्ध यह निजी स्वार्थ पर आधारित गठजोर जो बिहार ऐसे राज्य के लिए जो विकास के पथ पर चल पड़ा था उसके लिए यह एक खतरनाक संकेत है।

उपाध्यक्ष : अब समाप्त किया जाय ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, समाप्त कर रहे हैं, समाप्त ही हो रहा है । महोदय, यह कोई पहली बार नहीं हुआ है कि इन्होंने पाला बदला है, राजनीति में पदार्पण के साथ इन्होंने समय-समय पर पाला बदलकर अपनी राजनीतिक स्वार्थ सिद्धि के लिए अपने साथियों के साथ प्रपंच भी किया है ।

उपाध्यक्ष : अब समाप्त किया जाय ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, मैं इतना ही कहना चाहता हूँ कि (व्यवधान) अब समाप्त कर रहे हैं।

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए । माननीय सदस्यगण, सभी दल के नेता को मौका दूंगा इसलिए समय का ध्यान रखेंगे, चूंकि समय निर्धारित है दो घंटे का ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : नीतीश कुमार जी से हम आपके माध्यम से आग्रह करना चाहते हैं कि इतिहास की गहराइयों में जाकर कभी अकेले चिंतन कीजिएगा ये सारी चीजें आपको दिखायी देगी, परन्तु दिक्कत इस बात की है कि प्रकृति का नियम है कि व्यक्तिगत स्वार्थ के चश्मे से.....

उपाध्यक्ष : माननीय मंत्री, श्री विजय कुमार चौधरी ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, बशीर बद्र का एक शेर मैं पढ़ना चाहता हूँ कि

घरों पर नाम थे, नामों के साथ ओहदे थे,
बहुत तलाश किया कोई आदमी नहीं मिला ।

महोदय,हम अंत में सिर्फ इतना ही कहना चाहते हैं कि श्री नीतीश कुमार जी ने आठवीं बार मुख्यमंत्री का पद संभाला है और हर बार मुख्यमंत्री जी इस्तीफा देते हैं और उप मुख्यमंत्री बदल जाते हैं । आज भी ये मुख्यमंत्री हैं, उप मुख्यमंत्री इधर बैठा हुआ है, नया उप मुख्यमंत्री फिर आ गये हैं । महोदय, इनकी यह प्रक्रिया चलती रहती है । यह पहला प्रयोग है राजनीति में कि मुख्यमंत्री अपनी जगह पर रहते हैं उप मुख्यमंत्री बदलते रहते हैं जैसे मैं आज इधर हूँ और तेजस्वी यादव जी उधर हैं ।

उपाध्यक्ष : माननीय मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी जी, प्रारंभ करें ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, सिर्फ दो बिन्दु पर मैं तेजस्वी जी को सिर्फ आपके माध्यम से सावधान करना चाहता हूँ कि नीतीश कुमार जी जो माननीय मुख्यमंत्री हैं ऐसे बल्लेबाज हैं जो व्यक्तिगत स्वार्थ और हित में कारण दूसरे बल्लेबाज को रनआउट कराते रहते हैं, लेकिन अपने क्रिच पर जमे रहते हैं ।

उपाध्यक्ष : अब बहुत समय हो गया, बैठ जाइये ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, अब समाप्त करते हैं । महोदय, मैं अंत में सदन के सभी माननीय सदस्यों से राज्य के व्यापक हित में जो महागठबंधन सरकार के विश्वास मत के विरूद्ध वोट देने की अपील करता हूँ और अंत में एक शेर से अपनी बात को समाप्त करता हूँ । सीढ़ियां उन्हें मुबारक हो जिन्हें सिर्फ छत तक जाना है, मेरी मंजिल तो आसमान है रास्ता मुझे खुद बनाना है । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री नन्दकिशोर यादव : महोदय, एक तो यह समय तय नहीं हुआ कि कितने देर का यह विमर्श होगा।

उपाध्यक्ष : दो घंटे का ।

श्री नन्दकिशोर यादव : दो घंटा जब आपने तय किया तो दलों के लिए कितनी समय-सीमा है इसका विवरण आपने नहीं दिया, मेरा आग्रह होगा कि यह बता दीजिए कि कौन दल कितना समय बोलेगा ।

उपाध्यक्ष : ठीक है । आपका 20 मिनट था 25 मिनट बोले । अब माननीय मंत्री, श्री विजय कुमार चौधरी जी अपना पक्ष रखें ।

(व्यवधान)

शांति-शांति ।

श्री विजय कुमार चौधरी,मंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं अपने नेता और इस सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट करता हूँ कि उन्होंने जो राज्यपाल महोदय का आदेश था कि आज तक उन्होंने कहा था कि 24 तक सदन का विश्वास हासिल कर लीजिए । उन्होंने आज ये विश्वासमत सदन में पेश किया है और हमलोगों को भी यानी सत्तापक्ष के लोगों को भी और विपक्ष के भी माननीय सदस्यों को अपनी-अपनी बात इस सत्ता परिवर्तन के संबंध में कहने का मौका दिया है । इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के इस प्रस्ताव पेश करने के लिए इन्हें मुबारकबाद देता हूँ । महोदय, हम क्यों गठबंधन में गये इनके साथ और क्यों आ गये इधर इनके साथ उसके बारे में तो मैं बाद में कहूंगा, लेकिन.....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : सुनिये, सुनिये शांतिपूर्वक सुनिये ।

श्री विजय कुमार चौधरी,मंत्री : महोदय, हमारे मित्र तारकिशोर जी ने अपनी बात को बशीर बद्र जी के एक शेर के साथ समाप्त किया है तो मैं वहीं से शुरू करना चाहता हूँ बशीर बद्र जी से ही कि बशीर बद्र जी का आपने जो कहा वह तो सही कहा ।

(क्रमशः)

टर्न-8/पुलकित/24.08.2022

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री (क्रमशः) : लेकिन उन्होंने यह भी कहा है कि-

''कुछ तो मजबूरियाँ रही होंगी, यूँ ही कोई बेवफा नहीं होता ।
अपना दिल टटोल कर देखिये, यूँ ही फासला नहीं होता ।।''

महोदय, मैं गठबंधन के संबंध में फिर बाद में आऊंगा लेकिन महोदय, अभी सिर्फ दो-तीन बातें जो तारकिशोर बाबू ने कही हैं मैं पहले उस पर अपनी बात रख देना चाहता हूँ । महोदय, एक बात अभी तारकिशोर जी ने भी कही और हमारे विपक्ष के माननीय सदस्य खासतौर से भाजपा के अनेक सदस्य, वरीय नेतागण बराबर हम मीडिया में देखते हैं चर्चा करते हैं जनादेश के अपमान की और दूसरी बात कहते हैं विश्वासघात की । हम आज सदन में जरा समझना चाहते हैं कि हमने किस जनादेश का अपमान किया है । हमने किस विश्वास का घात किया है ? हमने बिहार की जनता को यह भरोसा दिया था, विश्वास दिलाया था कि हम नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में आपका विकास करते रहेंगे और आज भी हम कर रहे हैं । हमने क्या विश्वास का घात किया, हमने क्या जनादेश का अपमान कर दिया । महोदय, जब 2017 में इनके साथ हम गठबंधन बीच में तोड़कर बनाये थे तो वह जनादेश का सम्मान था और आज अपमान हो गया ।

(व्यवधान)

महोदय, दूसरी बात क्योंकि आप समय भी कम दीजियेगा । महोदय, दूसरी बात हम सदन के माध्यम से बिहार की जनता को आश्वस्त करना चाहते हैं कि बिहार की जनता ने जो हमें भरोसा दिया है, जो हम पर विश्वास और एतमाद प्रकट किया है । वह बिहार के विकास के लिए किया है और पहले जब इनके साथ हम थे तो हम 126 की ताकत से बिहार की सेवा कर रहे थे और आज बहुत प्रसन्नता के साथ हम बिहार की जनता को बताना चाहते हैं कि आज हम 164 की ताकत से बिहार की जनता की सेवा करेंगे । अभी हमारे मित्र कह रहे थे कि हमने बिहार की जनता से जो वादा किया था उसको हम मंजिल तक पहुंचने से पहले ही छोड़ दिया । महोदय, इन्होंने यह कैसे समझ लिया, हम तो यात्रा के बीच में हैं और हमने जो वादा किया है हम आपको भी और पूरे सदन को भरोसा दिलाते हैं कि हमने जो बिहार की जनता को या हमारे नेता मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने बिहार की जनता को भरोसा दिलाया है उसे हम हर हाल में पूरा करेंगे और आने वाले दिनों में यह बिहार की जनता देखेगी । महोदय, अब देखिये ये कितने परेशान हैं कि अभी एक जिक्र कर डाला कि हमलोगों ने एक महादलित को मुख्यमंत्री बनाया और मुख्यमंत्री से हटा दिया । महोदय, ये राजनीतिक परिस्थितियां होती हैं और यह हमारी ईमानदारी, हमारे काम करने की पारदर्शिता और हमारे महादलित को सम्मान देने की जो प्रणाली है वह इसी बात से साबित होती है कि आज भी वह महादलित, आज भी जिनकी बात आप कर रहे थे जरा, सोचिये वह आज भी हमारे साथ बैठे हैं आपके साथ नहीं बैठे । महोदय, यह हमारी विश्वसनीयता है और यह हमारे काम करने की पारदर्शिता है कि जिनको आप मोहरा बनाना चाह रहे हैं और हमें मालूम है कि जब हम लोग फैसला ले रहे थे तो ये लोग हमारे पूर्व मुख्यमंत्री जी को अनेक तरह के प्रलोभन दे रहे थे ।

(व्यवधान)

लेकिन वे समझ गये कि ये लोग सिर्फ और सिर्फ जाल में फँसाते हैं और जाल में फँसाकर क्या करते हैं ? महोदय, उस पर हम बाद में आयेंगे जो हम लोगों के साथ हुआ और यह बतायेंगे । लेकिन आपके सब जाल को तोड़कर जिस महादलित नेता और पूर्व मुख्यमंत्री की बात कर रहे थे वे आज भी हमारे साथ हैं और यही हमारी विश्वसनीयता है । दूसरी बात, जो इन्होंने कही कि मुख्यमंत्री के प्रधानमंत्री बनने की बात । हमारे मुख्यमंत्री जी ने कब कहा कि हम प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं और जनता-दल-यू और हमारा महागठबंधन पूरा सजग है कि प्रधानमंत्री कोई चाहने से नहीं बनता है इस देश की

जनता जिसे चाहती है वही प्रधानमंत्री बनता है और यह हम सभी जानते हैं । हम कोई मुगालते में नहीं रहते हैं या हम कोई ऐसा सपना नहीं संजोते हैं कि हासिल करने के योग्य हम नहीं हैं । हम अपनी सीमा जानते हैं और हम अपनी सीमा में अपने नेता के माध्यम से इनके नेतृत्व में बिहार को चमकाने का अभी हम लोग काम कर रहे हैं और आज बिहार चमकता है तो पूरे देश में रौशनी होती है महोदय, यह आपने भी देखा है । अभी ये बात कर रहे थे कि उप मुख्यमंत्री बदल जाते हैं या गठबंधन बदल जाता है कभी कुछ बदल जाता है । इन्होंने वर्ष 2013 के अनुभव की बात भी की, वर्ष 2017 के अनुभव की बात भी की । वर्ष 2013 और 2017 में क्या हुआ था ? आप किस खातिर हमारे साथ आये थे और उन्होंने कह दिया कि बिहार की जनता पर से आपका भरोसा खत्म हो गया है और आपको सत्ता में आने का अब कोई माहौल नहीं बच गया है । महोदय, यह तो बिहार की जनता गवाह है और बिहार की तारीख गवाह है, इतिहास गवाह है कि इनको भी जब-जब सत्ता में आना हुआ है तो नीतीश कुमार जी के पीछे ही लगे हैं अपने से कभी सत्ता में नहीं आ पाये । हमलोग भले ही नहीं है । लेकिन आप जो....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, अब बात उठती है गठबंधन में जाने की । अभी देखिये रंग जरा देखिये, क्या रंग है ? (व्यवधान) महोदय, ये रंग है जाल में फंसाने का, समझ गये और हम लोग भी महोदय.... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति । शांति-शांति ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, हम लोग भी भ्रमित हो गये थे ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, इनके रंग को देखकर हम लोगों को भी कुछ देर लगा था कि ये लाली कुछ बिहार को भी देना चाहते हैं और महोदय, हम यह भी कहना चाहते हैं कि आज हम सदन के माध्यम से बिहार की जनता को भी बताना चाहते हैं कि हमने इनके साथ संबंध क्यों बनाया था ? हमने संबंध बनाया था कि हमें डबल इंजन का भरोसा दिलाया गया था और यह बात कही गयी थी कि बिहार की जनता का विकास हम दोगुनी गति से कर पायेंगे । लेकिन महोदय, एहसास क्या हुआ ? इनके साथ जा रहे थे और जो अनुभव हुआ फिर हमको यही महसूस हुआ कि -

हमने तो आपके साथ जाकर के चांद और सितारों की तमन्ना की थी,
लेकिन रातों की स्याही के सिवा कुछ नहीं मिला ।

(क्रमशः)

टर्न-9/अभिनीत/24.08.2022

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री (क्रमशः) : महोदय, हम क्या सोच रहे थे और इनके साथ जाने के बाद हमारा क्या अनुभव रहा, यह महोदय, आपके साथ महोदय, हम बहुत चाह रहे थे कि हमें जो कहा गया, हमारे माननीय मंत्रीगण बैठे हैं जो पिछली दफा साथ में थे, कोई एक मंत्री ईमानदारी से बता दें कि इनको कभी केंद्र सरकार ने पूछा कि बिहार को क्या चाहिए, कोई बता दें हमको । महोदय, हम लगातार मंत्री रहे हैं..

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, हम मुख्यमंत्री जी के साथ, महोदय, नितिन नवीन जी की बात से थोड़ा मैं इत्तेफाक रखता हूं लेकिन..

(व्यवधान जारी)

सुन लीजिए न । आपकी बात थोड़ी जो सुनी गयी, आज नितिन गडकरी जो आप ही के हमनाम हैं उनकी हालत मंत्रिपरिषद् में यह बना दी गयी है कि वे राजनीति छोड़ने की बात कह रहे हैं । उपाध्यक्ष महोदय, आज इनके केंद्रीय मंत्रि परिषद् का यह आलम है कि जो नितिन नवीन जी बोल रहे हैं, जो बिहार के हित की बात करता है उसे राजनीति छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया जाता है, यह केंद्रीय मंत्री परिषद् का आलम है । महोदय, क्या कहें हमलोग तो इनके साथ लगातार मंत्री थे, शिक्षा विभाग में भी और हमारे बहुत विभाग में मंत्री थे, रोज बात होती थी कि भाई भारत सरकार से आपको कभी कोई पूछा है । हमारे समग्र शिक्षा अभियान का, हमारे चन्द्रशेखर जी हैं अब ये देखेंगे कि सैकड़ों करोड़ रुपया लगातार बकाया चलता है और हमारे शिक्षकों का वेतन भी इनके केंद्र सरकार के हिस्से का राज्य सरकार को देना पड़ता है । महोदय, अभी बात कर रहे थे दोस्ती और बेवफाई की, नंद किशोर जी जरूर कुछ बोलेंगे हमको उम्मीद है और जिस हौसला, जिस अरमान के साथ हम इनके साथ गये थे हम सदन को बताना चाहते हैं कि 'दिल के अरमां आँसुओं में बह गये' । महोदय,

दिल के अरमां आँसुओं में बह गये,
हम वफा करके भी तनहा रह गये ।

महोदय, हमने वफा की लेकिन इनसे कुछ हासिल नहीं कर सके । महोदय, एक बात मैं जरूर सदन से कहना चाहता हूं कि हमने अपने अलग होने का कारण जो हमारे बिहार की अपेक्षा थी जिसे हमारे सभी मंत्रियों ने महसूस किया है, हो सकता है पार्टी में नहीं बोलें, इसके साथ ही महोदय, राष्ट्रीय स्तर पर जिस तरीके से देश के इतिहास के साथ मजाक हो रहा है, आज बहुत बड़ी साजिश देश के इतिहास को बदलने की हो रही है । महोदय, यह हमारे, आपके, सबके लिए चिंता की बात है । महोदय, मैं जब शिक्षा मंत्री था तो भारत सरकार का एक फरमान देखा कि जो सीबीएसई है उसने अपने पाठ्यक्रम से कोल्ड वार यानी शीत युद्ध और गुट निरपेक्ष आंदोलन को निकाल दिया । महोदय, हमने तत्काल कहा और अपनी सरकार की मंशा, लीडर की मंशा जानते हुए कि यह लागू नहीं करेगा, बिहार कभी लागू नहीं करेगा, चूंकि जो बच्चा इस पूरे विश्व इतिहास में जो द्वितीय विश्व युद्ध नहीं समझेगा, शीत युद्ध नहीं समझेगा, गुट निरपेक्ष आंदोलन नहीं समझेगा उसे विश्व इतिहास का, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का ज्ञान ही नहीं हो पायेगा । यह साजिश चल रही है, महोदय, यह साजिश है इतिहास बदलने की । सब चीज में देखिएगा कि नया भारत हो रहा है, ऐसा लगता है कि 2014 से पहले इस देश को कोई जानता ही नहीं था और गुट निरपेक्ष आंदोलन को हटाने की यही साजिश है कि गुट निरपेक्ष आंदोलन में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद महोदय, भारत 120 देशों की अगुवाई करता था और भारत का नाम पूरे विश्व में पूरे आदर से लिया जाता था । यह इनको अच्छा नहीं लग रहा है, ये इसको बदल देना चाहते हैं, क्योंकि ये साबित करना चाहते हैं, महोदय, हम तो यही कहेंगे कि भाई ये तो अब हो चुका, अब पिछली बातों को भूलिए और आईये अपनी-अपनी नई भूमिका में हमलोग मिलकर काम करें । महोदय, अंत में मैं आपसे इजाजत लेकर हरिवंश राय बच्चन जी की चार पंक्तियाँ कहता हूं कि उन्होंने कहा है कि 'जो बीत गयी सो बात गयी' । यह साठ की दशक की महोदय, उनकी अत्यंत लोकप्रिय रचना है

''जीवन में एक सितारा था
माना वह बेहद प्यारा था
वह डूब गया तो डूब गया
अम्बर के आनन को देखो
कितने इसके तारे टूटे,
कितने इसके प्यारे छूटे,

जो छूट गये फिर कहां मिले
पर बोलो टूटे तारों पर
कब अम्बर शोक मनाता है
जो बीत गई सो बात गयी ।''

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सुन लीजिए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, दूसरा जो इनके लिए महत्वपूर्ण है कि

''जीवन में वह था एक कुसुम
थे उसपर नित्य निछावर तुम
वह सूख गया तो सूख गया
मधुवन की छाती को देखो
सूखी कितनी इसकी कलियां
मुरझायी कितनी वल्लरियां
जो मुरझायी फिर कहां खिली
पर बोलो सूखे फूलों पर
कब मधुवन शोर मचाता है
जो बीत गई सो बात गयी ।''

महोदय, हम तो कहेंगे कि नई भूमिका में, एक चीज जान लीजिए हमलोग बिहार की जनता का विश्वास लेकर आये हैं और हमने, आपने जनता से एक ही वादा किया है कि उनकी भलाई का काम करेंगे । क्या ऐसा कोई आपने जनता से वादा किया था कि हम सत्ता पक्ष में रहेंगे तो ठीक है, अगर विपक्ष में चले जायेंगे तो सेवा नहीं करेंगे । क्या ऐसा कोई वादा किया था ? तो महोदय, हम तो यही कहेंगे कि आईये मिलकर हम भी नई भूमिका में अपने साथियों के साथ तैयार हैं । महोदय, जब इनसे भ्रम टूट रहा था तो हम धन्यवाद देना चाहते हैं जो हमारे साथी हैं राजद, कांग्रेस, माले और बचा क्या ? ऐसी स्थिति आयी कि सब इनसे अलग हो गये । महोदय, पूरे देश में आज एनडीए खत्म है । महोदय, एक हम ही लोग थे, आज एनडीए में कोई नहीं बचा है इसलिए आप लाल रंग दिखाकर लोगों को भड़काना बंद कीजिए । महोदय, यह लाल रंग देखकर बिहार की जनता भड़कती है । इसलिए आईये हमलोग मिलकर..

उपाध्यक्ष : ठीक है, अब समाप्त कीजिए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, आप कहते हैं तो मैं बैठ जाता हूं लेकिन मैं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के समर्थन में सभी माननीय सदस्यों से मतदान करने का आपके आदेश पर उस मत के समर्थन में अपना विश्वास देने का मैं अनुरोध करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

टर्न-10/हेमन्त/24.08.2022

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, यह दो घंटे का विमर्श महत्वपूर्ण है । इसमें सभी दल के नेताओं को भाग लेना है, बोलना है । इसीलिए मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि समय का जरूर ख्याल रखेंगे, चूंकि तारकिशोर बाबू 25 मिनट बोले हैं और विजय बाबू बोल चुके । इसलिए मैं सभी माननीय सदस्यों से आग्रह करूंगा कि समय का ख्याल रखेंगे ।

माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा अपना पक्ष रखेंगे ।

श्री अजीत शर्मा : महोदय, मंत्री परिषद् में जो विश्वास का प्रस्ताव रखा गया है उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : डिस्टर्ब मत कीजिए, बोलने दीजिए ।

श्री अजीत शर्मा : हमने तो किसी को डिस्टर्ब नहीं किया आज तक सदन में, हमको बोलने दीजिए ।

यह सदन और पूरा देश अवगत है कि किस तरह से भारतीय जनता पार्टी चुनी हुई सरकारों को अपदस्थ कर रही है । सर, यह पूरे देश की बात है । भारतीय जनता पार्टी के नेता यहां तक कि भाजपा की वेबसाइट पर भी सिद्धांतों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन ठीक इसके विपरीत भाजपा का आचरण रहा है । भाजपा जब किसी और तरीके से सामना नहीं कर पाई तो पीछे के दरवाजे से सत्तासीन होने के लिए अपना पूरा जोर लगाती है । चाहे वह सेंट्रल एजेंसी के माध्यम से हो या मतहरण के माध्यम से । मतहरण का सबसे बड़ा उदाहरण मध्य प्रदेश का जिक्र किये बिना नहीं हो सकता । मध्य प्रदेश में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ था लेकिन उसे एक प्रभावशाली व्यक्ति के माध्यम से कुछ माननीय विधायकों से इस्तीफा कराकर वहां की सरकार गिराई गई । संविधान निर्माताओं ने कभी कल्पना भी नहीं की होगी कि इस तरह की सोच रखने वाली कोई सरकार इस देश में बनेगी अन्यथा वे इसकी भी व्यवस्था संविधान में कर चुके होते ।

महोदय, स्थाई सरकारें इस देश में हों, इसके लिए हमारे आदरणीय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने दल-बदल विधेयक कानून लाया था, जिसमें यह व्यवस्था की गयी थी कि एक-तिहाई से कम संख्या में दल-बदल नहीं हो सकेगा । स्वर्गीय राजीव गांधी जी के इस कदम ने इस देश से ''आया राम, गया राम'' की प्रथा को ही समाप्त कर दिया था । मैं भाजपा के आदरणीय वाजपेयी जी का भी जिक्र किये बिना नहीं रह सकता हूं । आदरणीय वाजपेयी जी ने इस कानून को और सशक्त बनाते हुए दो-तिहाई की टूट को ही मान्यता देने संबंधी संशोधन किया लेकिन वाजपेयी जी का नाम जपने वाले उनके भाजपायी लोगों ने फिर ''आया राम, गया राम'' की प्रथा को बहुत अच्छी तरह से स्थापित किया है । इस कुप्रथा को बढ़ाने वाले रथ को रोकने के लिए आदरणीय नीतीश कुमार जी ने और आदरणीय तेजस्वी जी ने जो निर्णय लेकर कदम बढ़ाया है और जिसे हमारी आदरणीय नेता श्रीमती सोनिया गांधी जी एवं आदरणीय नेता राहुल गांधी जी का संरक्षण प्राप्त है मैं उसकी भूरि-भूरि प्रशंसा और समर्थन करता हूं । उन्होंने भाजपा की खरीद-बिक्री, तोड़-जोड़ पर लगाम लगाने की कोशिश की है । इस तरह की लगाम पहले भी बिहार राज्य ने ही लगायी थी जब आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी राम रथ लेकर देश में घूम रहे थे और धार्मिक उन्माद पैदा करने की कोशिश कर रहे थे तब तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री लालू प्रसाद ने उस रथ को बिहार में रोका था । इसी तरह से भाजपा की घोर गैर-सिद्धांतवादी राजनीति है कि जनता चाहे जिसे चुने सरकार भाजपा ही बनायेगी । इस दूषित मंशा वाले रथ को रोकने का काम फिर एक बार बिहार ने किया है । मैं इस साहसिकता के लिए तहे दिल से महागठबंधन के सभी नेताओं एवं अपने नेता आदरणीय श्रीमती सोनिया गांधी जी एवं राहुल गांधी जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं और इस मंत्रिपरिषद् के प्रति प्रस्तुत विश्वास मत का समर्थन कांग्रेस विधान मंडल दल की ओर से करता हूं । भाषण के अंत में आदरणीय नीतीश जी के साथ छोड़ने की कसक जो भाजपा को हो रही है उस पर मैं भाजपा के साथियों से एक शेर कहकर अपनी बात समाप्त करता हूं ।

''अभी राह में कई मोड़ हैं, कोई आयेगा कोई जायेगा,
तुम्हें जिसने दिल से भुला दिया, उसे भूलने की दुआ करो ।''

सर, मेरे दल का जो शेष समय है उसमें हमारे शकील खान साहब बोलेंगे ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री संजीव चौरसिया । आपके पास पांच मिनट का समय है ।

श्री संजीव चौरसिया : उपाध्यक्ष महोदय, एक उक्ति सामने लिखी है कि-

''जिस सभा में सभासदों के सामने ही अधर्म से धर्म और असत्य से सत्य मारा जाता है, उस पाप से सभासद नष्ट होते हैं ।''

आज जो अधर्म को न्याय देने का प्रयास हो रहा है, असत्य को सत्य करने का प्रयास हो रहा है । महोदय, इस बात को इंगित करता है कि जिन मतो को प्राप्त करके बिहार के नेतृत्व की क्षमता और ममता के साथ बिहार की जनता ने जो मेंडेट देने का काम किया था उस मेंडेट को अब जनता पूछने का भी काम कर रही है । पूछता है बिहार, पूछती है जनता कि किन मतों को लेकर ऐसा प्रयास हुआ है, किन मतों को लेकर आगे बढ़ने का काम हुआ है ? आज पूरा बिहार इस बात से मर्माहत है कि जो जनता की यादों के साथ हम आगे बढ़ने का काम कर रहे थे, उन यादों को तार-तार और छलनी करने का काम किया कि नहीं किया ? अभी माननीय मंत्री महोदय बता रहे थे, मैं पूछना चाहता हूं कि 44 प्रकार की जो केंद्र की योजनाएं हैं उन योजनाओं को रेखांकित करने का काम करेंगे ? अगर उन योजनाओं पर चर्चा करने का काम करेंगे, तो सभी की सभी योजनाएं केंद्र की पायी जायेंगी । केंद्र की योजनाओं में ही है बिहार का विकास और लगातार बिहार को कोरोना से लेकर, उज्जवला योजना से लेकर, पीएम आवास योजना से लेकर, बिजली की योजनाओं से लेकर, सड़कों की योजनाओं से लेकर जो भी करेंगे और सबसे ज्यादा अगर कहीं विकास हो रहा है उन योजनाओं से, तो वह बिहार का हो रहा था । अगर बिहार को छलनी करने का काम हो रहा है, वहां के पिछड़ा समाज को छलनी करने का काम हुआ है । आज क्या मर्माहत थी, क्या नेतृत्व था ? हम तो राम के अनुयायी हैं जिस भगवा की बात कर रहे हैं । राम ने भी केवट को लेकर रावण राज समाप्त करने की बात की थी । हमने भी जंगलराज समाप्त करने का उन वर्गों को लेकर आगे बढ़ने का काम किया था । तभी तो जंगलराज समाप्त हुआ, सुशासन का राज्य चला, किनकी बदौलत चला ? वह 60 प्रतिशत की आबादी बिहार में जनप्रतिनिधित्व देने वाली, जो जंगलराज से परेशान थी, जिनको लूटा जाता था, दबंग लूटने का काम करते थे, दबंगई के कारण वह चल नहीं पाते थे, गांव में चल नहीं पाते थे । आज उनके कारण, उन लोगों के नेतृत्व के कारण ही एक नेतृत्व देने का काम किया और बिहार की जनता ने जिसे नेतृत्व देने का काम किया है, आपको बताना चाहेंगे कि हम लोगों को भी इस बात को मानना पड़ेगा कि उस नेतृत्व के कारण ही बड़ी आबादी को लेकर चलने का काम किया था और जिन लोगों से आपको प्यार मिला कभी उन लोगों का दिल न दुखाना, सिर्फ फितूर से घर बनेगा, एक दिन टूटकर बिखर जायेगा ।

महोदय, निश्चित तौर पर जो प्यार की राह पर बनने वाले मकान हैं वही स्थिर रहने वाले हैं, उसको तोड़ने की चाह हम लोग नहीं कर सकते हैं । आज हम जिस नेतृत्व की बात कर रहे हैं उस नेतृत्व में सबसे बड़ा केंद्र बिंदु कोई आगे बढ़ा, तो इस बात को भी आप जानने का काम कीजिए कि आप सबकी आवाज को आवाज देने का काम कर रहे हैं उपाध्यक्ष महोदय, आपकी राह पर इतनी बड़ी आबादी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं, उस आबादी को आगे बढ़ने की राह पर हम आगे चलेंगे, लेकिन हम लोग जिन लोगों को लेकर आगे बढ़े हैं, जिस चाह और राह पर आगे बढ़ने का स्वप्न देख रहे हैं उस स्वप्न का पैमाना क्या है ? उस स्वप्न का पैमाना, लाख कोई कुछ कहे, पर स्वप्न तो वही पल रहा है कि हमें देश का प्रधानमंत्री बनना है । देश का प्रधानमंत्री बनने की कल्पना और परिकल्पना क्या हो सकती है । उपाध्यक्ष महोदय, आज भारतीय जनता पार्टी 18 राज्यों में सत्ताशासित है । आज बिहार की जनता के साथ-साथ पूरे देश की योजनाओं को लेकर आगे बढ़ने का काम कर रहे हैं । माननीय प्रधानमंत्री जी क्या पिछड़ों की आवाम, अतिपिछड़ों की आवाम को लेकर काम नहीं कर रहे हैं ? क्या प्रधानमंत्री जी ऋण देने का काम, मुद्रा योजना देने का काम, बिहार के सब वर्गों को आगे बढ़ाने का काम, आवास योजना से लेकर बिहार की जनकल्याण योजनाओं से लेकर 80 हजार लोगों को राशन देने का काम हुआ है । इस देश के अंदर किन लोगों को मिला है ? उसी समाज को मिला है जो वंचित है, पिछड़ा है, अतिपिछड़ा है उसी को मिला है । कोरोना के वैक्सीनेशन का 200 करोड़ का टीका, डबल डोज का टीका सभी को मिला है । क्या पिछड़ा, अतिपिछड़ा का जो अभिमान और स्वाभिमान के साथ माननीय प्रधानमंत्री ने रक्षा देने का काम किया है । (क्रमशः)

टर्न-11/धिरेन्द्र/24.08.2022

क्रमशः...

श्री संजीव चौरसिया : और उसी को मान्यता देने का काम अगर कोई किया है, इस देश के अंदर संवैधानिक अधिकार देने का काम किया है तो माननीय प्रधानमंत्री जी ने किया है । उस समय आपकी आवाज कहां थी, विरोध करने वाले आज उप मुख्यमंत्री बने हैं और सबसे ज्यादा विरोध करने वाले विपक्ष के लोग थे । आज संवैधानिक दर्जा देने की बात हुई तो आज आवाज देने का भी काम किया है । पिछड़ा, अति-पिछड़ा के भी बच्चे, लड़कों को आज आवाज और आगाज के साथ आगे बढ़ाने का काम हो सकता है । उपाध्यक्ष महोदय, आपको बताना चाहेंगे कि किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 12.5 करोड़

रुपये के, लगभग बिहार में भी 46.1 करोड़ लोगों को भी मिलने का काम हुआ है, राशन कार्ड भी मिलने का काम हुआ है, कोरोना के कार्यकाल में हुआ है, आयुष्मान भारत से हुआ है उज्ज्वला के लिए हुआ है कि गरीबों के उत्थान के लिए, पिछड़ों के उत्थान के लिए जो प्रधानमंत्री अपना काम कर रहे हैं, और तो और डॉक्टर बने, इंजीनियर बने, इन आवास योजनाओं को लेकर माननीय प्रधानमंत्री जी ने आगे बढ़ाने का काम किया । आज माननीय प्रधानमंत्री जी को जो खींचने का काम हो रहा है, एक साजिश जो हो रही है कि पिछड़े का बेटा नेतृत्व नहीं करे, ये देश की जनता बर्दाश्त नहीं करने वाली है । अति-पिछड़ा का बेटा देश में आगे बढ़ कर वैश्विक पटल पर पहचान बनाने का काम किया है और देश का नेतृत्व अति-पिछड़ा का बेटा नरेन्द्र मोदी अभी भी किया है और 2024 में भी करने का काम करेगा । उपाध्यक्ष महोदय, आपको बताना चाहेंगे कि जितने प्रकार के अति-पिछड़े की योजनाओं को लेकर लाभ लेने का काम बिहार में हुआ है, उसमें सम्मिलित हम भी थे । माननीय उप मुख्यमंत्री अति-पिछड़ा समाज से महिला यहां पर नेतृत्व देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है । आज उसी के सम्मान के तहत जहां शिक्षा की बात करते हैं, माननीय शिक्षा मंत्री यहां पर हैं । लगभग तीन लाख से ज्यादा आज इंटर में पास होने की बात हो रही है और 2008 में क्या थी, 2008 में लगभग 98 हजार थी, 2020 में आप देखिये तीन लाख से ज्यादा इंटर पास कर रहे हैं । इंटर और मैट्रिक में क्या स्थिति थी, लगभग 40 हजार का था, पर 2020 में चार लाख से भी ज्यादा मैट्रिक के परीक्षार्थी आगे बढ़ने का काम ई॰बी॰सी॰ के छात्र कर रहे हैं तो आज हमलोगों ने शिक्षा को आगे बढ़ाने का काम किया है । एक क्रांति दूत के तहत शिक्षा से लेकर, स्वास्थ्य से लेकर, इंस्टीच्यूशन से लेकर, छात्रावास से लेकर सभी चीजों को आगे बढ़ाने का काम किया है तो अति-पिछड़ा के सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किये हैं.....

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, अब समाप्त कीजिये ।

श्री संजीव चौरसिया : सब चीज हमलोगों ने किया है । उपाध्यक्ष महोदय, यही बोलना चाहेंगे कि वर्तमान नेतृत्व कभी नहीं चाहती है कि डबल इंजन की सरकार में अति-पिछड़ा और पिछड़ा का सम्मान बढ़ाने का काम हो । डबल इंजन की सरकार में हमने इस पैमाने तक आगे बढ़ाने का काम किया है कि जितने प्रकार की योजनाएं चलेंगी, सबसे ज्यादा लाभ मिलेगा, यह माननीय नरेन्द्र मोदी जी का सपना है । अगर कोई विकास कर सकता है, जबतक उत्तर भारत का विकास नहीं होगा, बिहार का विकास नहीं होगा, तबतक देश का विकास नहीं होगा । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिये । माननीय सदस्य श्री महबूब आलम ।

श्री महबूब आलम : महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति बनाये रखें ।

श्री महबूब आलम : महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा पेश किये गये विश्वास मत के समर्थन में बोल रहा हूँ । महोदय, बहुत रोचक और दिलचस्प अंदाज में ये लोग बात करते हैं । कोई बोलते हैं कि लोकतंत्र की जननी है हमारा बिहार ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : इनको बोलने दीजिये ।

श्री महबूब आलम : आप ही लोगों में से किसी ने कहा कि इसको और जोरदार, असरदार ढंग से पेश किया Bihar is the mother of Democracy, आप ही लोग बोल रहे थे, ठीक है बहुत-बहुत धन्यवाद । आप ही लोगों के एक नेता ने कहा कि कोई भी क्षेत्रीय पार्टी का अस्तित्व नहीं रहेगा, सिर्फ भाजपा रहेगी ।

(व्यवधान)

आप ही लोगों की बात कर रहे हैं और आज...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : इनका पांच ही मिनट का समय है । इन्हें बोलने दीजिये ।

श्री महबूब आलम : जब आपने यू॰पी॰ से लेकर पूरे देश में बुलडोजर चलाने का अभियान शुरू किया और जब बिहार में आप ही की छाती में बुलडोजर चल गई तो क्यों रोना रो रहे हैं । तब रोने का क्या मतलब है ? लोकतंत्र की हत्या और लोकतंत्र का विश्वासघात अगर बेहतर तरीके से कोई करना जानता है तो वे भाजपा वाले हैं । महोदय, ये लोग किनके साथ विश्वास घात किये ? भाकपा-माले के साथ विश्वासघात आप नहीं कर सकते । आपका सहयोगी, माननीय मुख्यमंत्री के दल के पांच विधायकों को तोड़कर अपनी पार्टी में मिला लिया, इसे कहते हैं विश्वासघात, इसे कहते हैं दगा और....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति बनाये रखें आपलोग ।

श्री महबूब आलम : हमारे माननीय मुख्यमंत्री खामोशी से जहर का घूंट पी कर आज महादेव शिव की तरह जनतंत्र में काम किये हैं । यही वह सदन है जहां आपलोगों ने खुलेआम मुसलमान को देशद्रोही घोषित किया, यही वह सदन है, यही वह कैंपस है बिहार विधान सभा के अंदर, जहां पर बेलगाम असंसदीय जो सदस्य ने घोषित किया कि मुसलमानों का

राजनीतिक अधिकार, वोट देने का अधिकार छीन लिया जाना चाहिए । हमलोग चीख रहे थे, हमलोग चिल्ला रहे थे । कोई औकात नहीं है तुम्हारी ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति बनाये रखें ।

श्री महबूब आलम : बोलिये न कि आप शर्मिंदा हैं ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, एक घंटा का समय है इसे बाधित करने का काम नहीं करें । जब आपलोग बोलते हैं तो ईधर से कोई नहीं बोलता है । जब माननीय सदस्य बोलते हैं तो उन्हें तंग मत किया कीजिये । समय का अभाव है ।

श्री महबूब आलम : हम बोल रहे थे कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय, सर आप समाजवादी धारा के लोग हैं, सर आप सेकुलर सरोकार से रिश्ता रखते हैं । इनकी हरकतों ने हमारे माननीय मुख्यमंत्री को दोबारा सोचने और विचार करने पर मजबूर कर दिया और आज सही जगह जो समाजवादी, धर्मनिर्पेक्ष और लोकतंत्र की जननी है, उसका सम्मान करने के लिए आज ये गठबंधन जो बना है, इस गठबंधन को देखकर आपकी छाती में जलन क्यों हो रही है? वही मुख्यमंत्री, वही सचिव, वही डी॰जी॰पी॰, सब कुछ तो वही है । आज आपके गले में भगवा गमछा आ गया, कल आपके गले में था नहीं और यही हमलोग बोल रहे थे कि आपको कुछ दिन के लिए भारत का संसद, पार्लियामेंट को कब्जा करने का मौका मिला है और आपने बिहार के सदन को भी कब्जा करने की कोशिश की लेकिन बिहार की जनता ने आपको नाकाम कर दिया और आपकी छाती में बुलडोजर चला दिया और आज लोकतंत्र की जननी गौरवांवित है कि हम धर्मनिर्पेक्ष, समाजवादी सरोकार रखने वाला जो लोकतंत्र है हमारा, उसका जो तोड़-फोड़ करने की साजिश आप लोगों ने पूरे देश में किया है, उसका आगाज, उसको निर्माण करने का दोबारा प्रयत्न यही बिहार से होगा । मुख्यमंत्री जी अगर प्रधानमंत्री बन जाएं तो आपको क्यों जलन हो रही है ? समझ नहीं पा रहा हूँ ।

(व्यवधान)

यह लोकतंत्र की प्रक्रिया है । मोदी जी हटेंगे । XXX

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति बनाये रखें ।

श्री महबूब आलम : मोदी जी ने जिस बेहतर अंदाज में 15 अगस्त को नारियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए मन में भी कोई दुर्भावना है, उसको भी निकाल देना चाहिए । कितना

अच्छा अंदाज में बात कर रहे थे लेकिन आपलोग वही हैं जो बिलकिस बानो की हत्या और उसके परिवार का रेप करने वाले कैदियों को, दरिंदों को आज जेल से रिहा कर दिया और मोदी जी का एक शब्द उसके लिए नहीं है । ऐसे गठबंधन को छोड़ कर हमारे मुख्यमंत्री ने महान काम किया है । बिहार लोकतंत्र की जननी थी और लोकतंत्र को स्थापित करने की दूसरी लड़ाई जो जे॰पी॰ मूवमेंट थी ।

क्रमशः....

टर्न–12/संगीता/24.08.2022

(क्रमशः)

श्री महबूब आलम : उसके बाद जो दूसरी लड़ाई ये बिहार से शुरू होगी और...

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए माननीय सदस्य ।

श्री महबूब आलम : साम्प्रदायिक फासीवादियों के खात्मे की शुरूआत हो चुकी है बिहार से और उसका नेतृत्व माननीय मुख्यमंत्री जी करेंगे, हम क्रांतिकारी धारा भाकपा (माले) वाले करेंगे, समाजवादी धारा कांग्रेस करेगी, ये तमाम लोग मिलकर करेंगे और आने वाले दिन में...

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए ।

श्री महबूब आलम : उनका नामोनिशान हिन्दुस्तान में नहीं रहेगा...

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री जीतन राम मांझी ।

श्री महबूब आलम : इसी के साथ आज का सदन ये संकल्प लेगा, आप...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य अब समाप्त कीजिए ।

श्री महबूब आलम : आपने हिफाजत का संकल्प लिया है और संकल्प लेकर के आप गलत बोलते हैं, XXX (व्यवधान)

उपाध्यक्ष : बैठ जाइये, बैठ जाइये, बोलने दीजिए माननीय सदस्य को, बोलने दीजिए ।

श्री जीतन राम मांझी : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज इस सदन में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा जो विश्वास मत प्रस्ताव पेश किया गया है, हम उसके समर्थन में हैं । बहुत कुछ बात हो रही है, उन सब बातों की ओर हम नहीं जाकर के एक बात जिसकी चर्चा माननीय सदस्य तारकिशोर बाबू ने किया, उस ओर हम सफाई देना चाहते हैं कि एक

महादलित को मुख्यमंत्री बनाया गया और उनको हटाया गया, इसकी चर्चा उन्होंने की, ऊपर से ऐसा दिखता है लेकिन मैं तो यह कहता हूं कि कम से कम एक महादलित को मुख्यमंत्री बनाने का हिम्मत अगर किसी ने किया तो वह नीतीश कुमार ने किया और एक दो-दिन नहीं नौ महीना तक बाजाब्ता काम करने का अवसर भी मुझे मिला और कुछ परिस्थितियां ऐसी आईं कि मैंने स्वतः त्यागपत्र दिया हमको हटाया नहीं गया है, इतना मैं कहना चाहता हूं और मैं यह भी कह सकता हूं कि आज नीतीश कुमार कुछ ही दिन के लिए सही मुख्यमंत्री बनाने का काम किए तो आज बहुत सारी ऐसी सुविधाएं हैं जिसका लाभ एक महादलित परिवार को मिल रहा है जो किसी ने नहीं दिया था, यह मैं कहना चाहता हूं ।

महोदय, दूसरी बात हम कहना चाहते हैं कि हमको भी ऐसा लगता था जब हम मगध यूनिवर्सिटी के प्रांगण में एक-दो बार गए और हमने देखा कि वहां के बच्चे महीनों-महीनों से गेट पर बैठकर के धरना दे रहे हैं, किसलिए धरना दे रहे थे कि उनका रिजल्ट, उनकी परीक्षा बहुत लेट, दो बरस, तीन बरस, चार बरस तक हो रही है और रिजल्ट नहीं आ रहा है और दूसरी बात कि वहां पर जो प्रशासक हैं, कोई लोकल नहीं हैं, कोई बिहार के नहीं हैं सब बाहर के हैं । हमारा कभी भी राजभवन पर शिकायत करने का इरादा नहीं है लेकिन मैं ये जरूर कहना चाहता हूं कि जब मगध यूनिवर्सिटी में इस प्रकार की अराजकता हुई, बाहरी पदाधिकारियों को पदस्थापित करके और वहां जब परीक्षाएं विलंब से होने लगी, रिजल्ट विलंब से होने लगा, जिससे लोगों में आक्रोश की बात आई तो निश्चित रूप में समस्त बिहार में इस प्रकार की बात होगी और हम अंबेडकर साहब के शब्दों में कहना चाहते हैं कि शिक्षा ही एक ऐसी विधा है जिसके सहारे हम आगे बढ़ सकते हैं और खासकर के उच्चतर शिक्षा की यह स्थिति बिहार में हो गई थी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है, वैसी परिस्थिति में परिवर्तन की आवश्यकता हम भी समझ रहे थे और उस परिस्थिति में माननीय नीतीश कुमार जी ने जो निर्णय लिया और तेजस्वी जी के साथ आज वे सरकार बनाने का काम किए हैं हम उनका समर्थन करते हैं, उनको हम धन्यवाद देते हैं, बहुत-बहुत धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष : माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, आपको सबसे पहले धन्यवाद देते हैं कि आज माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्ताव पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया और माननीय आदरणीय नीतीश कुमार जी जो सदन के नेता हैं उन्होंने जो प्रस्ताव रखा है उसके हम समर्थन में हैं । उपाध्यक्ष महोदय, आज सबलोग चर्चा कर रहे हैं, वाद-विवाद

हो रहा है, विश्वास मत और आवश्यकता, विश्वास मत की आवश्यकता आखिर क्यों पड़ी, इसको समझने के लिए भाजपा का जो कुचक्र है, भाजपा का जो अविश्वास है उसको समझने की जरूरत है । सब लोगों ने अपनी बात को यहां रखा लेकिन आप देखिएगा जो पूरे देश में जो माहौल है, वह क्या है ? हर राज्य चले जाइए, जहां विपक्ष की सरकार है या जहां-जहां बीजेपी हारती है या बीजेपी जिससे-जिससे डरती है वहां ये अपने तीन XXX को आगे कर देते हैं, पहला सी0बी0आई0, दूसरा ई0डी0, तीसरा इन्कम टैक्स । अब ये बात तो साबित हो गया कि जो माननीय मुख्यमंत्री आदरणीय नीतीश कुमार जी ने जो ऐतिहासिक और एक निडर निर्णय जो लिया है जो कि देशहित में है, बिहार के हित में है, लोकतंत्र को बचाने के लिए है, संविधान को बचाने के लिए है । आज के माहौल में शायद ही ऐसा हिम्मत और दिलेरी कोई दिखाता है और हम तो अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू जी जो कि हमारे पिता हैं उनको भी धन्यवाद देते हैं कि दोनों नेताओं ने जो समय के मुताबिक लोगों की मांग पर कि जितने देशभर में समाजवादी लोग हैं उनको अब एक होना पड़ेगा और लालू जी का तो आपलोग सबलोग जानते हैं कितना भी दबाया गया, झुकाने का प्रयास किया गया, डराने का प्रयास किया गया वे कभी भी साम्प्रदायिक शक्तियों के आगे घुटना नहीं टेके ।

अब वाद-विवाद चल रहा है, अभी हमको सूचना मिली कि कुछ गोदी पत्रकार मीडिया जो कि दिन-रात टी0टी0एम0 का काम करती है, एक पार्टी के लिए उसमें चलाया गया कि तेजस्वी का मॉल है, गुरूग्राम में सेक्टर-71 में है, बड़ी अच्छी बात है खूब छापा मारिए, मॉल से हिलिए ही मत, कहीं मत जाइए, दिन रात वहीं सोइए लेकिन कम से कम देश की जो सबसे बड़ी जांच एजेंसी है, दुर्भाग्य देख लीजिए कैसे जांच कर रही है, जो मेरा है ही नहीं जबरन जो है मेरा नाम लिया जा रहा है । उस मॉल का नाम क्या है, अर्बन क्यूब प्रोजेक्ट का नाम है । अर्बन क्यूब, हम पता करवाये कि कंपनी का डिटेल निकालो, उस मॉल का डिटेल निकालो, तो जब डिटेल निकला तो पता चला कि एक डायरेक्टर है इसमें कृष्ण कुमार करके जो कि आपके भिवानी हरियाणा के रहने वाले हैं, ये उसमें डायरेक्टर हैं और हम तो बाकायदा पूरी कंपनियों का कागज लेकर आए हैं डिटेल लेकर आए हैं, अब सी0बी0आई0 अच्छा है कि वहां पहुंच गई है छापे मार रही है, हमको जो जानकारी मिला है कि इस मॉल का उद्घाटन या कंपनी का शुभारंभ जो है एक भाजपा के सांसद ने ही किया है, अच्छी बात है तो ये एक नैरेटिव पेश किया जा रहा है एक एजेंडा पेश किया जा रहा है । मतलब मेरे ट्वीटर हैंडिल पर भी देखिएगा मतलब आप भाजपा के साथ रहिएगा हाथ मिला लीजिएगा तो राजा हरिशचंद्र

बन जाओगे और हाथ नहीं मिलाइएगा तो भ्रष्टाचारी, क्रिमिनल, रेपिस्ट और पीछे ई0डी0, सी0बी0आई0, इन्कम टैक्स को लगा दिया जाएगा । अब आप बताइए कि पूरी तरीके से बेबुनियाद आरोप हमलोगों पर लगाया गया, कैरेक्टर जो है हमलोगों का खराब किया गया...

(क्रमशः)

टर्न–13/सुरज/24.08.2022

(क्रमशः)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : 2017 में भी हम पर मुकदमा हुआ, वह तब की बात है जब मेरी मूंछ नहीं थी, उस मुकदमें में क्या हुआ, क्या निकला कुछ तो बताइये और एक नयी चीज आप फिर लेकर आ गये हैं । अब ये आई0आर0सी0टी0सी0 का मामला, नौकरी–जमीन का मामला आपलोग भूल गये क्या । देश के पहले रेल मंत्री लालू जी हैं जिन्होंने घाटे के रेल को मुनाफे के रेल में बदलने का काम किया, 90 हजार करोड़ का मुनाफा लालू जी ने दिया । हार्वर्ड से लेकर एन0सी0आर0 तक यूनिवर्सिटी के लोग जो प्रमुख यूनिवर्सिटी हैं उनके छात्र लोग आये और लालू जी को मैनेजमेंट गुरू के नाम से जाना गया । आज देखिये क्या हो रहा है देश में, कितना न्याय कर रहे हैं ये लोग कि जो घाटे के रेलवे को मुनाफे में देगा उस पर मुकदमा हो रहा है और जो रेलवे को बेच देगा, देश की संपत्ति को बेच देगा उसका कुछ नहीं होगा । देखिये हम पर लुक आउट नोटिस लगता है, जब हम विदेश हनीमून पर जाते हैं तो लुक आउट नोटिस लगा हुआ था लेकिन ललित मोदी जी, नीरव मोदी जी, विजय माल्या, मेहूल चौकसी, नीरव मोदी पर कोई लुक आउट नहीं था जो लाखों–हजारों करोड़ रुपये लेकर भाग गये । आज कोई नाम क्यों नहीं लेता मेहूल चौकसी का, नीरव मोदी का कहां गये ये लोग । मतलब जितने चोर और बेईमान हैं और जितनी देश भर की संपत्ति है वह तेजस्वी की है, यही कहना चाह रहे हैं। क्या बात है, अगर ऐसी बात है तो सबको बराबर–बराबर लैंड डिस्ट्रीब्यूट कर दीजिये पूरे देश की जनता को, दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा मतलब कहां जो है हमलोग लेकर के जा रहे हैं । एक बात को आपलोगों को समझना पड़ेगा क्या हुआ 10 लाख करोड़ रुपया इनके मित्र, पूंजीपतियों का लोन माफ कर दिया जाता है, कर्जा माफ कर दिया जाता है और देश के आमलोगों पर जी0एस0टी0 5 परसेंट लगाकर फूड पर बोझ बढ़ा दिया जाता है, किसानों का कर्ज माफ नहीं करते हैं तो वे लोग कहां हैं,

किसका माफ हुआ, कौन किया इस पर जांच होनी चाहिये कि नहीं होनी चाहिये । खैर ये सारी बातें अलग हैं ये तो सब लोग जानते हैं कि समाज में समानता, बराबरी, शांति, भाईचारा और सौहार्द बनाने की कीमत मेरा परिवार, मेरे रिश्तेदार, मेरी बहनें, हम खुद और मेरे पिता भुगत रहे हैं । लेकिन आप एक बात समझ लीजिये, हमलोग समाजवादी लोग हैं और हमलोग सामाजवादी राजनीति के अंश और वंश हैं, हमलोग डरने वाले लोग नहीं हैं कि आपलोग डराइयेगा और हमलोग डर जायेंगे । हमलोग बिहार के लोग हैं, दिल्ली मैं बैठे हुये लोगों को बिहार समझ में नहीं आ रहा है । हमलोगों को अगर डराकर धमकाने की कोशिश की जायेगी तो समझ जाइये कि बिहारी जो है डरने वाला नहीं है । लोग सवाल पूछते थे...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : महोदय, पत्रकार लोग हमसे सवाल पूछते थे कि ये कैसे हुआ तो हमने पत्रकार भाइयों को बोला कान पकड़ के, हाथ जोड करके जैसे महाराष्ट्र में खेला हुआ वैसे बिहार में नहीं हुआ । जो झारखंड में देखा, अन्य राज्यों में देखा, मध्यप्रदेश में देखा क्या देखा हमलोगों ने । मतलब एक ही फार्मूला है भाजपा का कि जो डरेगा उसको डराओ अपने XXX से और जो नहीं डरेगा उसको खरीदो । हम तो धन्यवाद देना चाहते हैं आप समझिये कि महाराष्ट्र में जितने पॉलिटिकल लोग हैं....

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, यहां इस सदन में ज्यादातर लोग गरीब परिवार से चुन करके आते हैं । कोई किसान का बेटा यहां चुनकर आया है, कोई मजदूर का बेटा यहां चुन करके आया है, कोई पशुपालक का बेटा चुन करके आया है...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : जो असंसदीय वर्ड है वह निकल जायेगा, बैठिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : कोई पिछड़ा परिवार का, कोई अति पिछड़ा परिवार का जिसकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : बोल दिये हैं जो असंवैधानिक वर्ड है वह निकल जायेगा ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : तो वहां करोड़पति चुन करके जाते हैं...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : जो अनपार्लियामेंट्री वर्ड है निकल जायेगा । बैठिये न आप बैठिये, बोलने दीजिये ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : जब बोल दिये है तो बैठिये, डिस्टर्ब क्यों कर रहे हैं बैठिये ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, हम धन्यवाद देना चाहते हैं...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति से बैठिये, बैठ जाइये सभी ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : सभी सदस्यों को कि कितना भी यहां कोशिश करने का प्रयास किया गया हो । हमलोग देख रहे थे न कि आपके राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकतंत्र की जननी में आकर के क्या बयान दे रहे थे कि रीजनल्स पार्टी को खत्म कर देंगे, अपोजिशन को खत्म कर देंगे । इसका मतलब क्या है रीजनल्स पार्टी कौन है और यहां आदरणीय नीतीश कुमार जी को किस तरह से तंग किया जा रहा था, जनता दल यूनाइटेड को तोड़ने का क्या-क्या प्रयास किया जा रहा था, समाजवादी राजनीति को किस प्रकार से खत्म करने की साजिश की जा रही थी तो हमलोगों के पास उपाय क्या था । हमलोगों के पास उपाय था कि देश को हमलोग मिटने नहीं देंगे, टूटने नहीं देंगे, समाजवादी राजनीति को खत्म नहीं होने देंगे और हमलोगों के पुरखें, हमलोग समाजवादी लोग हैं, एक ही परिवार के लोग हैं...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : सुनिये न, एक ही परिवार के लोग हैं । हमलोग समाजवादी विचारधारा के लोग हैं । हमारी पुरखों की जो विरासत है...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : वह कोई और नहीं ले जायेगा । आपलोग जो सोच रहे हैं हमलोग जो खेत जोते हैं उसमें आपलोग फसल उगाने का काम कीजियेगा, जो समाजवादी विरासत है, जो हमारे पुरखों की विरासत है वह हमारे पास ही रहेगी और किसी के पास नहीं जाने वाली । यह एक बात समझ जाइये ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, यह बिहार है यहां धमकाने से काम नहीं चलेगा है, यह बिहार है...

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : आपलोग जो विभाजनकारी लोग हैं उनको रोकने के लिये जो देश में गंगा, यमुना तहजीव, भाईचारा जो बिगाड़ना चाहते थे, आपलोग जो सामाजिक तनाव, धार्मिक तनाव बिगाड़ना चाहते थे उसको देखते हुये हमलोगों ने सभी प्री-पोल महागठबंधन के अलायंस के सभी पार्टनर चाहे सी0पी0आई0 हो, सी0पी0एम0 हो, माले के लोग हों, कांग्रेस के लोग हों और हम आर0जे0डी0 के सभी लोगों ने नीतीश कुमार जी के निर्णय की सराहना ही नहीं बल्कि हम यह कह देना चाहते हैं कि हमलोग मजबूती के साथ हमलोग खड़े हैं । क्या कह रहे थे तारकिशोर जी, बोल रहे थे कि रन आउट, रन आउट आप तो खेले नहीं हम तो कई बार खेलकर अपना पैर भी तोड़वा लिये। मेरा जो लिगामेंट है एंकल का वह टूटा है । एक बार कोई आउट होता है तब न कोई दूसरा इनिंग खेलता है लेकिन एक बात अच्छे से समझ जाइये कि हमलोग क्रिकेटर हैं और ये जोड़ी जो है न ये धमाल मचाने वाली है । आप यह भी सुने होंगे....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति, शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : बैठ जाइये, बैठिये न । ये इनिंग जो होगी न नेवर एंडिंग इनिंग खेला जायेगा, सबसे ऐतिहासिक । मतलब एक रिकार्ड बनेगा लंबे इनिंग का, हमलोगों का जो पार्टनरशिप होगा बिहार के हित में, देश के हित में ये इनिंग लंबा होगा । अब कोई रन आउट होने वाला नहीं है, ये एक बात समझ जाइये । लेकिन आपलोग क्या कर रहे थे, इतना बढ़ियां तरीके से हमारे अभिभावक विजय चौधरी जी ने आपलोगों को समझाया अगर अभी भी आपलोगों को समझ नहीं आ रहा है तो इसमें कोई क्या कर सकता है और आपलोगों को तो आत्ममंथन करने की जरूरत है अभी क्या-क्या आपलोग आरोप लगा रहे थे....

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : यहां बाराती लेकर आ गये, दूल्हा है ही नहीं, अभी तक तय ही नहीं है, गजब है । आपलोगों को एक बात हम कह दें

(क्रमशः)

टर्न-14/राहुल/24.08.2022

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री (क्रमशः) : हमको सत्ता पाने का कोई मोह नहीं है । बात सुनिये, हम दो बार उप मुख्यमंत्री बने और एक बार नेता प्रतिपक्ष 5 साल के लिए बने

और पूरे देश में शायद ही ऐसा कोई भाग्यशाली होगा जिसके माता-पिता मुख्यमंत्री भी रहे और नेता विरोधी दल भी रहे...

(व्यवधान)

एक बात समझ जाइये कि जो संदेश बिहार की जनता ने, माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने पूरे देश के अपोजिशन को देने का काम किया है, देश के लोगों को एक उम्मीद देने का काम किया है । आदरणीय लालू जी ने जो साथ दिया और हम कह सकते हैं कि उन लोगों के लिए एक बात है कि भैया जो लोग डरेगा वह लोग मरेगा और जो लोग लड़ेगा वह जीतेगा । हम लोगों का क्या काम है, हम लोगों की तो यही चाहत है कि बिहार आगे बढ़े, तरक्की करे, देश आगे बढ़े, प्रगति करे लेकिन आप लोगों की डिजाईन तो सब लोग जानते हैं क्या-क्या आप लोग रणनीति बनाते रहते हैं, हर जगह कब्जा करना है, सौहार्द को बिगाड़ना है, आपसी भाईचारे को भंग करना है । हम सब लोग एक ही परिवार के लोग हैं, सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हमारी विचारधारा वही है और आप लोग एक बात समझ जाइये कि बिहार के लोकतंत्र का जो ढांचा है न उसको भाजपा के कदमों पर कुचलने नहीं देंगे । इसको बचाने के लिए हम लोग एक हुए हैं इसलिए आप लोग घबराइये मत और आप लोग क्या-क्या टिप्पणी कर रहे थे, चलिये छोडिये । हम आपके नेता यानी देश के जो प्रधानमंत्री हैं वे तो हमारे भी प्रधानमंत्री हैं उन्होंने क्या बोला था कि आदरणीय नीतीश कुमार जी सच्चे समाजवादी नेता हैं...

(व्यवधान)

आप प्रधानमंत्री जी की बात को मानो न मेरी क्यों सुनते हो । प्रधानमंत्री जी यहां आये थे...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उन्होंने इस विधान सभा के प्रांगण में क्या कहा था कि कितना बिहार का काम करते हैं, माननीय मुख्यमंत्री जी दिन-रात काम करते हैं । आप लोगों को समझना चाहिए, जानना चाहिए । हम तो उन्हीं की बात को बताने का काम कर रहे हैं तो आज जब हम सब लोग एक हुए हैं तो आप लोगों को पीड़ा क्यों हो रही है । असल में आप लोगों को जो पीड़ा हो रही है, आप डर चुके हैं, उसने XXX को आगे कर दिया आप पीछे हो गये...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : हम बोल दिये हैं जो अनपार्लियामेंट्री शब्द है उसको प्रोसीडिंग से निकाल देंगे । आप लोग बैठिये न ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, असली पीड़ा जो है...

(व्यवधान)

इनकी असली पीड़ा जो है वह डर है वर्ष 2024 का । असल में ये लोग डरते हैं कि अगर हम सब लोग एकजुट हो जायें तो बिहार से जो संघी लोग हैं, जो भाजपा के लोग हैं उनका सफाया हो जायेगा...

(व्यवधान)

श्री जनक सिंह : XXX शब्द पर माफी मांगो, माफी मांगो ।

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : आप सब लोग...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : बोल दिये हैं निकालकर देखेगा अनपार्लियामेंट्री है तो निकाल देगा उसके लिए क्यों हल्ला कर रहे हो । बैठ जाइये । जब बोल दिये हैं तो क्यों हल्ला कर रहे हो आप लोग ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, हम कहां इंकार कर रहे हैं...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज के लिए निर्धारित कार्यों के निष्पादन होने तक सदन की सहमति से बैठक की अवधि विस्तारित की जाती है अगर सभी लोगों की, सदन की सहमति हो तो ।

(सदन की सहमति हुई)

ठीक है । बोलिये अब ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, हां, यह बात सच है कि हमने इन पर आरोप लगाया है, इन्होंने हम पर आरोप लगाया है लेकिन जब आरोप लगा रहे थे तो इसी हाउस में...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, इसी हाउस में आप सब लोग न गवाह हैं माननीय मुख्यमंत्री जी ने हमको क्या कहा था, बाबू बैठ जाओ...

(व्यवधान)

बाबू बैठ जाओ में अपनापन दिखा, रिश्ता दिखा, अधिकार दिखा और इनकी बात को आदेश समझकर के हम चुपचाप बैठ भी गये थे तो यह तो हम लोगों का पुराना रिश्ता है । एक बार इन्होंने चर्चा की, एक बार इन्होंने कहा कि हमारे भाई समान दोस्त का बेटा है यानी उसमें रिश्ता भी था, अपनापन भी था...

(व्यवधान)

ये रिश्ता जो हम लोगों का है यह किसी से छिपा नहीं है...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : बैठ जाइये । जिवेश जी बैठ जाइये । जब बोलने का समय आयेगा तो बोलियेगा । बैठ जाइये । (व्यवधान)

श्री जिवेश कुमार : आपने नीतीश कुमार जी को लेकर क्या कहा था ये उसका ट्वीट है...

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, असल में ये लोग काम तो कुछ किये नहीं केन्द्र में आठ साल । केन्द्र में इन्होंने कोई काम नहीं किया, बिहार के साथ पक्षपात किया । आप जानते हैं जब काम नहीं किया, 2 करोड़ रोजगार देंगे, 15 लाख देंगे, स्मार्ट सिटी बनायेंगे, वो करेंगे । मंहगाई की मार तो व्यक्ति पर पड़ गई तो जो...

(व्यवधान)

जो रियल इशूज हैं, जो मेन एजेंडा है उससे ये लोग ध्यान भटकाना चाहते हैं । हम मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहते हैं कि एक ऐतिहासिक जगह से एक ऐतिहासिक घोषणा नहीं बल्कि मुहर लगाने का काम किया । इन्होंने कहा कि दस लाख नौकरियां देंगे, रोजगार की अलग से व्यवस्था करेंगे इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को हम धन्यवाद देना चाहते हैं...

(व्यवधान)

आप बोलने दो न... बैठिये न... फिर फाईल निकलवा लेंगे... बैठिये न । उपाध्यक्ष महोदय, असल मुद्दों से ध्यान भटकाना, असल मुद्दे क्या हैं, पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, सुनवाई और कार्रवाई । अब जब बिहार के लोगों को एक नई उम्मीद पैदा हुई है । हां, एक तरफ तजुर्बा है, एक तरफ अनुभव है, एक तरफ एडमिनिस्ट्रेटिव को कैसे कंट्रोल में रखकर के जनता के लिए काम करते हैं और दूसरी तरफ युवा है, जोश है, काम करना चाहता है । बिहार को एक उम्मीद जगी है । हम लोग नौकरी देना चाहते हैं तो ये लोग चाहते हैं कि नहीं दें...

(व्यवधान)

छोड़िये न, एक साल में दो करोड़ तो आठ साल में 16 करोड़ हो गये कितनी नौकरी दे दिये आप वह बताइये न 15 हजार भी दिये तो बात है वह...

(व्यवधान)

महोदय, ये लोग जंगलराज-जंगलराज कहते हैं । नौकरी कैसे दी जाती है आईये मुख्यमंत्री जी की पाठशाला में, हमारी पाठशाला में सिखा देंगे कि कैसे नौकरियां दी जाती हैं...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, जंगलराज, बैचेन हैं...

(व्यवधान)

हो गया, नरेन्द्र मोदी जी नहीं देख रहे हैं आपका चेहरा, बैठिये, अमित शाह जी नहीं देख रहे हैं आपका चेहरा, बैठिये-बैठिये । काहे चेहरा चमका रहे हैं, बैठिये न । उपाध्यक्ष महोदय, हम दो चीज जानना चाहते हैं इन भाजपाइयों से...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : हम दो चीज जानना चाहते हैं इन बी0जे0पी0 के लोगों से, संघीयों से पहली कि ऐसा कौनसा तिलिस्म है इनके पास कि ये सरकार में इन रहते हैं तो मंगलराज होता है, आउट होते हैं तो जंगलराज होता है । कौन सा तिलिस्म है दो-तीन दिन में जंगलराज और...

(व्यवधान)

टर्न-15/मुकुल/24.08.2022

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : बैठिए न आपके नेता बोलेंगे न, आप क्यों व्याकुल हैं, आपलोग सब बेचैन रहते हैं, सबको नेता प्रतिपक्ष ही बनना है, अलग-अलग खंड में बंटे हुए हैं, हमको साफ-साफ दिख रहा है, एगो फलना जी का ग्रुप है, एगो चिलना जी का ग्रुप है, यही हो रहा है, लड़ते रहिये । उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग जब जंगल राज-जंगल राज कहते हैं तो ये बिहार की आत्मा को गाली देने का काम करते हैं । क्या जंगल राज है ?

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, हम पूछना चाहते हैं ?

(व्यवधान)

अरे, बैठिये न ।

उपाध्यक्ष : देखिये, आपके नेता जब बोल रहे थे तो कोई नहीं उठा । आपलोग बार-बार उठकर बोल रहे हैं, इनकी बात सुनिये ।

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : हम किसी का नाम लिये, किसी पर आरोप लगाये हो या अपशब्द बोले हों तो बताइये ।

उपाध्यक्ष महोदय, युवाओं को 10 लाख नौकरी मिलेगी तो वह जंगल राज है महोदय । क्या समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा जो व्यक्ति है उसके लिए काम करेंगे तो वह जंगल राज है क्या, वंचितों को न्याय दिलाना वह जंगल राज है क्या । क्या सबको शिक्षा, सबको सम्मान दिलाना यह जंगल राज है क्या । क्या हर घर नल-जल पहुंचे, हर नल से जल पहुंचे, हर खेत पानी पहुंचे, हर गांव-टोला में सड़क का निर्माण हो यह जंगल राज है क्या । क्या हर घर बिजली लगातार मिले, यह जंगल राज है क्या । क्या महिलाओं को सम्मानजनक हिस्सेदारी दिलाना यह जंगल राज है क्या । क्या उनकी सुरक्षा के बारे में चिंता करना, सुरक्षा देना क्या यह जंगल राज है क्या । महोदय, ये कबीर से लेकर रविदास, नानक, बुद्ध, फुले, पेरियार, अम्बेडकर, गांधी, लोहिया और कर्पूरी ने ऐसे ही लोक राज्य की तो कामना की थी, जिसको ये संघी लोग जंगल राज बोलकर बिहार के लोगों को जानवर कहते हैं, बिहार के लोगों को गाली दे रहे हैं । मतलब हम और आप जानवर हैं । क्या बात करते हैं आप ।

(व्यवधान)

मतलब आपके कहने का मतलब यह है कि यहां पर सब जानवर बैठा है, बिहार के 13 करोड़ लोग जानवर हैं । आप क्या कहना चाहते हैं, यह गाली किसको दे रहे हैं तो एक नरेटिव मत पेश कीजिए । आइये, स्वस्थ राजनीति करते हैं, मेरी कोई दुश्मनी न आपलोगों में से किसी से पर्सनल है, न नरेंद्र मोदी जी से है, न अमित शाह जी से है, हमलोग तो मुद्दे की लड़ाई लड़ना चाहते हैं । आदरणीय नीतीश कुमार जी का क्या सपना है । भाई, बिहार के पटना यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा आपलोग नहीं दिलवा पाये, ये मांगते रह गये, आपलोग कहां थे, बताइये कहां थे, तब मुंह नहीं खुल रहा था और आपलोग यहां पर चपर-चपर कर रहे हैं ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर हमारे महागठबंधन के जितने साथी बैठे हैं, हम बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाना चाहते हैं, सब दिलाना चाहते हैं कि नहीं । हाथ

उठाइये, कौन-कौन दिलाना चाहते हैं । उपाध्यक्ष महोदय, देखिये यह साफ है । इधर, नहीं दिलाना चाहते हैं । उपाध्यक्ष महोदय, हमलोग चाहते हैं कि बिहार को विशेष पैकेज मिले, काम हो, लेकिन कोई काम नहीं महोदय । ये लोग बता दें कि बिहार के लिए एक भी काम किया हो, केवल तंग किया है और हरेक योजनाओं में कटौती की है । एक बात तो चौधरी जी ने ठीक ही कहा न कि अब इनका कौन साथी बचा है, पूरा सफाया हो गया है, अब एन0डी0ए0 कहां रह गई । यही होता है ज्यादा घमंड में रहियेगा तो यही घमंड टूटता है, चकनाचूर होता है । हम बता देना चाहते हैं कि यह टूट की शुरुआत है । अटल बिहारी जी भले अलग विचारधारा रखते थे, उनकी अलग पार्टी थी लेकिन आप देखिए उस समय की राजनीति जब अटल जी बीमार हुए, जब किडनी खराब था तो राजीव गांधी जी उनका इलाज करवाये, विदेश भिजवाकर । यह अटल जी ने खुद वीडियो में बोला है कि राजीव जी का फोन आया था और जब अटल बिहारी जी थे तो हमारे पिता जी से भी उनका बहुत मधुर संबंध था । कभी ऐसा नहीं होता था जो देश में आज हो रहा है । ये तो बतायेंगे, मुख्यमंत्री जी सब बात बतायेंगे, सब चीज जानते हैं ।

(व्यवधान)

मुख्यमंत्री जी एक-एक चीज बतायेंगे कि कैसे आपलोग इनकी ही पार्टी को समाजवादी पार्टी को आपलोग तोड़ने का प्रयास कर रहे थे, अपने जो सहयोगी हैं उनके खिलाफ आपलोग जो हैं....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : जनक जी, आप बार-बार उठ जाते हैं, बैठिये । इनको बोलने दीजिए ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : आपलोग जान रहे हैं, इसी सदन में इनके एक विधायक चिल्लाकर बोलते हैं कि मुसलमानों से वोटिंग का अधिकार छीन लिया जाए । किसी माई के लाल में दम है कि नीतीश कुमार जी के रहते और लालू जी के रहते मुसलमानों से आपलोग वोटिंग का अधिकार छीन लीजिएगा । असंभव है, हो ही नहीं सकता, अगर आपलोग कल्पना कर रहे हैं । लेकिन भाई, हम तो बिहार के लोगों से यही प्रार्थना करेंगे, चाहे नौजवान हो, बुजुर्ग हों, चाहे किसी वर्ग से आयें, समाज से आयें, हमलोग ए टू जेड की बात करते हैं, ऊपर से लेकर नीचे तक सबकी बात करते हैं और हमलोग सभी समाज के लोगों को साथ लेकर चलने का काम करेंगे, कहीं किसी को तकलीफ नहीं होने देंगे । महोदय, तो एक बात स्पष्ट है कि हमलोगों को काम करना है, हमलोग काम तो करेंगे ही महोदय, लेकिन हमारे पास, हम इतना कह सकते हैं कि आज हम राज्य और देश के इतिहास के एक ऐसे समय में हैं जहां हमारे पास दो ही ऑपशन हैं । पहला

उदाहरण क्या है, पहला ऑप्शन क्या है आपका, पहला विकल्प यह है कि या तो सामाजिक तनाव बढ़ते हुए देश का विनाश की ओर जाते देखें या फिर एक-दूसरे का हाथ पकड़कर गांधी, लोहिया, जे0पी0 और बाबा साहब के देश को इस नफरत से बचा लें तो हम तो अपने पुरखों का जो चैन था, उसको हमलोगों ने चुनने का काम किया और हमलोग इसके लिए प्रतिबद्ध हैं । कहीं भी कुछ भी होगा, लेकिन इस देश में अगर अशांति का माहौल क्रिएट किया जायेगा, बढ़ाने की कोशिश की जायेगी तो किसी दंगाइयों को हमलोग छोड़ने का काम नहीं करेंगे, एक-एक चीज पर नजर है ।

(व्यवधान)

यह महागठबंधन की सरकार है । उपाध्यक्ष महोदय, हम तो भगवान से यह भी प्रार्थना करते हैं कि हे भगवान, इन भाजपइयों को सद्बुद्धि दिला दे । अरे, बुद्धि आ जायेगी तो चलिये न, पक्ष और विपक्ष मिलकर के एक नया भारत का निर्माण करते हैं, एक नया बिहार का निर्माण करते हैं, जहां नफरत न हो, प्यार हो, एकता हो, एक संकल्प हो, जहां बिहार को आगे बढ़ाये । ये तो प्रधानमंत्री जी खुद ही कहते हैं कि जब तक बिहार आगे नहीं बढ़ेगा तो देश आगे नहीं बढ़ेगा, यानी अब तक तो देश आगे बढ़ा ही नहीं, क्योंकि आपका कोई सहयोग बिहार को आगे बढ़ाने में रहा नहीं, आपने हमेशा सौतेला व्यवहार बिहार के लोगों के साथ किया । बताइये, 10 लाख करोड़ पूंजीपतियों को यों ही मुफ्त में, उपाध्यक्ष महोदय, मुफ्त में और बिहार का पैकेज घंटा, बिहार को ठगा गया । मुख्यमंत्री जी को ठगने का, तोड़ने का प्रयास किया जा रहा था, पूरे क्षेत्रीय दलों को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा था, ये तो नड्डा जी ने साफ कर ही दिया । कहां-कहां, क्या-क्या साजिश चल रहा था । ये लोग असल में बेचैन हैं कि इनके तीनों XXX रहते हुए भी कैसे हो गया, कैसे हो गया ।

(व्यवधान)

अच्छा, अब हम अपनी बात खत्म कर रहे हैं, हम खत्म कर रहे हैं ।

उपाध्यक्ष : अनपार्लियामेंट्री जो भी शब्द होगा, उसको देखकर निकाल दिया जायेगा, बोल दिया गया है ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, हमें पता है कि आगे ये लोग क्या-क्या दुष्कर्म करेंगे, क्या-क्या होने वाला है, सबको पता है । आज स्थिति ऐसी हो गई है कि बिहार के बच्चे से पूछिएगा कि सी0बी0आई0, ई0डी0 और इनकम टैक्स तो बच्चा बोलेगा बिहार का...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : अनपार्लियामेंट्री जो भी वर्ड होगा वह निकल जायेगा ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : अनपार्लियामेंट्री वर्ड जो भी होगा वह निकल जायेगा ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, बिहार का बच्चा बोलेगा कि यह बी0जे0पी0 के प्रकोष्ठ के लोग हैं, बी0जे0पी0 जब-जब हारती है, जब-जब इनको डर लगता है तो इन तीनों को आगे करती है, यह बच्चा-बच्चा जानता है । आगे क्या-क्या ये लोग करेंगे यह सबको पता है ।

(व्यवधान)

हमारा एक साथी, हमारा एक वर्कर, समाजवादी विचारधारा को मानने वाला एक-एक बिहार का नागरिक कभी भी इनके मनसूबों को पूरा नहीं होने देगा महोदय ।

(व्यवधान)

अरे, बोलने तो दीजिए । हम समाप्त कर रहे हैं ।

उपाध्यक्ष : आप एक मिनट रुक जाइये । बैठ जाइये, तारकिशोर बाबू जी को बोलने दीजिए ।

(व्यवधान)

एक मिनट, आपलोग बैठ जाइये ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने जांच एजेंसियों के लिए XXX शब्द का प्रयोग किया है इसको कार्यवाही से बाहर कीजिए । इस तरह से सदन नहीं चलेगा ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, कोर्ट ने कहा है कि सी0बी0आई0 तोता है ।

(व्यवधान)

श्री तारकिशोर प्रसाद : इस तरह से सदन नहीं चलेगा ।

उपाध्यक्ष : जो भी अनपार्लियामेंट्री वर्ड है, उसे निकाल दिया जाय ।

(व्यवधान)

टर्न-16/यानपति/24.08.2022

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री: उपाध्यक्ष महोदय, हम यहां अपने सभी माननीय सदस्यों से यह उम्मीद, आशा और आकांक्षा रखते हैं और यह मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी, सदन के नेता ने जो प्रस्ताव रखा है वो सब प्रस्ताव के पक्ष में रहेंगे और

हमारी जीत निश्चित है, देश के लिए कुछ भी करना पड़े, हमलोग, सबलोग आगे बढ़कर के इस देश की सेवा, बिहार की सेवा में लगाएंगे । जय हिन्द-जय बिहार ।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य श्री राम रतन सिंह ।

(व्यवधान)

बैठ जाइये, आप बैठ जाइये, माननीय सदस्य श्री राम रतन सिंह बोलेंगे ।

श्री राम रतन सिंहः अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

उपाध्यक्षः सुनिये-सुनिये, शांत रहिये, सुन लीजिए । राम रतन बाबू को सुनिये ।

श्री राम रतन सिंहः सदन के नेता माननीय नीतीश कुमार जी, माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी यादव जी, सदन में उपस्थित पक्ष और विपक्ष के तमाम माननीय सदस्यगण, बहुत सारी बातों की चर्चा हुई है । हम अपनी ओर से, अपने दल की ओर से सबसे पहले आपको बधाई देना चाहते हैं कि आपने हमें माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा जो प्रस्ताव रखा गया, उसपर बोलने का मौका दिया है । समय बहुत कम है यह मैं जानता हूं लेकिन उसके बावजूद भी मैं कहना चाहता हूं कि आज जो बिहार में महागठबंधन जो बना हुआ था उस महागठबंधन के साथ नीतीश कुमार जी ने जो मजबूती देने का काम किया है और सदन में नेता के रूप में हम तमाम लोगों ने जो उनको समर्थन दिया है, बिहार के लोगों में काफी खुशी है । बिहार के लोग यह समझ रहे हैं कि अब महागठबंधन की सरकार नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में जो बनी है, निश्चित तौर पर हमारा जो काम अधूरा रहा है, जो गरीब-गुरबे लोग जिनके चलते वे सवाल सारे-के-सारे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते रहे हैं, हम समझते हैं कि जो नई सरकार बनी है वह निश्चित रूप से इन तमाम कामों को पूरा करने में, अंजाम तक पहुंचाने में निश्चित रूप से सफल रहेगी, सफल होगी । मैं बी0जे0पी0 के भाइयों से, माननीय सदस्यों से भी कहना चाहता हूं कि बिहार की जो दुर्दशा आपने पिछले दिनों सरकार में रहकर की है और बिहार में खासकर के धार्मिक उन्माद पैदा करके और बिहार के अंदर जो नफरत का माहौल आपने पैदा किया है, निश्चित तौर पर इसको मिटाने में हम सारे लोग मिलजुल करके इसमें कामयाबी हासिल करेंगे । मेरे ख्याल से हम इन्हीं बातों को कहते हुए बी0जे0पी0 के साथियों से, माननीय सदस्यों से कहना चाहेंगे कि आप भी इसी रास्ते पर बिहार का विकास अगर देखना चाहते हैं, बिहार को नए रास्ते पर और देश के अंदर ऊंचाई पर ले जाना चाहते हैं तो आप भी महागठबंधन की जो नीति है, महागठबंधन जिस लाइन पर चलने का अपना उद्देश्य बनाया है, निश्चित तौर पर आप भी उसके साथ चलने की कोशिश कीजिए, बिहार

ऊंचाई पर जाएगा । इन्हीं चंद बातों को कहते हुए मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और अपने दल, पूरे वामदलों की ओर से महागठबंधन की जो नई सरकार है नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में, हम उसका पुरजोर समर्थन करते हैं । धन्यवाद ।

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य श्री अजय कुमार ।

श्री अजय कुमारः माननीय उपाध्यक्ष महोदय और सदन के नेता माननीय नीतीश कुमार जी, मंत्रिपरिषद् के सदस्यगण और सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यगण, आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने विश्वास मत के लिए प्रस्ताव रखा है, मैं भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी की ओर से मैं उस विश्वास मत के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं, मैं समर्थन करता हूं । अभी बहुत देर से मैं सुन रहा था तारकिशोर बाबू बाहर निकल गए हैं, बहुत सी बातों की उन्होंने चर्चा की कि गठबंधन बना था, गठबंधन इधर से उधर, उधर से इधर यह सब जाने की जो बात वह कर रहे थे, दरअसल सत्ता जाने की कसक उनके सीने में जो है वह दिखाई पड़ रही थी । गठबंधन की सरकार कोई आज नहीं बनी है, 2013 में भी बनी थी फिर 2017 में भी आपलोग बनाए थे और जिस बात की चर्चा आप कर रहे थे, मैं सिर्फ आपको यह कहना चाहता हूं कि आज जो गठबंधन बना है उसका आधार है हमारे भारत का संविधान जो है वह संविधान, देश के अंदर जो संविधान है वह सेक्युलरिज्म के आधार पर बना हुआ है । इंडिया इज सेक्युलर स्टेट पहले पन्ना पर लिखा हुआ है लेकिन इस देश के अंदर पिछले सात साल से देश के संविधान को तोड़ने की कोशिश की गई है और देश के अंदर संविधान को जब तोड़ने की कोशिश की गई है तो आप राजसत्ता में बने रहने के लिए देश के अंदर सांप्रदायिकता का, ध्रुवीकरण करने का आपने काम किया, जो काम अंग्रेज करते थे डिवाइड ऐंड रूल वही काम आपलोग इस देश के अंदर करते रहे और आप इस देश के अंदर एक से एक काम किए हैं, आपने इस देश के अंदर जिसको बिहार के अंदर सही हमारे साथियों ने कहा कि आपके एक बड़े नेता इसी बिहार विधान सभा के भवन की सौवीं वर्षगांठ के समापन के मौके पर भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि बिहार जनतंत्र की जननी है और जब बिहार जनतंत्र की जननी है उसी बिहार के अंदर आकर के जब आज से चंद दिन पहले आपकी जब अखिल भारतीय कोई बैठक हो रही थी, आपके बड़े नेताओं ने क्या कहा, आपके बड़े नेताओं ने कहा कि इस देश के अंदर छोटी-छोटी पार्टियां और जो क्षेत्रीय पार्टी है उसको हमने खत्म कर दिया और जो बची है उसको हम खत्म कर देंगे, यह डेमोक्रेसी नहीं कहता, यह जनतंत्र नहीं कहता या जो आप कहते और करते हैं दोनों में मेल नहीं खाता और आपको हम बताना चाहते हैं । आज हम आपको कहना चाहते हैं, जरा सुनिये कि

आपने सपना देखा था इस देश के अंदर वन नेशन वन पार्टी, हमारे देश का संविधान यह नहीं कहता हमारे देश के अंदर कहता है राजनीतिक पार्टियां वह अपनी बात रखेगी, राजनीतिक पार्टियां अपने कार्यक्रम को बनाकर के संघर्ष के मैदान में जाएगी, जनता के बीच में जाएगी लेकिन आपकी समझ है, वह ब्रिटेन की समझ है, अंग्रेज की समझ है, अमेरिका की समझ है, वन नेशन पार्टी यह भारत है, यह बिहार है, यह बिहार और भारत बर्दाश्त नहीं करेगा । आपने कई राज्यों में चुनी हुई सरकार को पैसे के बलपर खरीद करके आपने गिराने का काम किया और मैं समझता हूं कि आपके निशाने पर बिहार था और बिहार के अंदर आप उस कार्रवाई को करने के लिए आपने तैयारी कर ली थी, हम तो पहले ही कह रहे थे । माननीय तेजस्वी जी को मैंने कई बार कहा जरा आप अलर्ट होइए बिहार के अंदर वही काम ये करना चाहते हैं जो मुंबई के अंदर बैठकर इनलोगों ने किया ।

(क्रमशः)

टर्न–17/अंजली/24.08.2022

(क्रमशः)

श्री अजय कुमार : बिहार के अंदर वह काम करना चाहते हैं जो दूसरे राज्य ने इन्होंने यह काम किया । मैं समझता हूं कि भारतीय जनता पार्टी का अश्वमेघ का घोड़ा उसने जो छोड़ा था कई राज्यों के अंदर उसने चुनी हुई सरकार को गिराकर के अपनी सरकार बनाने का काम किया था । फासिस्ट ताकत, सांप्रदायिक ताकत पूरे देश के अंदर सांप्रदायिकता के आधार पर ध्रुवीकरण करते हुए दिल्ली की गद्दी को जो वर्ष 2024 में फिर से हासिल करने का जो सपना सपनाए हुए थे उसको बिहार ने हम समझते हैं कि माननीय नीतीश जी उन्होंने हिम्मत से काम किया और उन्होंने हिम्मत से काम करके फैसला किया कि अश्वमेघ के घोड़े को बिहार के अंदर रोका जाएगा और बिहार के अंदर जब रोका गया तो बिहार के अंदर उम्मीद भी जगी है, उम्मीद जगी है । आप तो वादा किए थे दो करोड़ लोगों को हर साल नौकरी देंगे और सात साल, आठ साल में सोलह लाख....

उपाध्यक्ष : अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री अजय कुमार : नौजवान अपनी नौकरी को खोज रहे हैं और जब पिछले दिनों जब इसकी चर्चा हमलोग यहां करते थे तो आप कहते थे क्या हुआ 10 लाख तो इस गठबंधन की सरकार ने इस 15 अगस्त को ऐलान करके दे दिया ।

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए ।

श्री अजय कुमार : और सिर्फ ऐलान नहीं किया बल्कि दस लाख नौजवानों को रोजगार देने का उन्होंने फैसला किया और फिर दस लाख नौजवान को रोजगार और नौकरी का जो है इस पर अमल करेगी और इसके साथ भी मैं आपको कहना चाहता हूं कि जनतंत्र में...

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए माननीय सदस्य ।

श्री अजय कुमार : जरा सुनिए, समझिए और इसके साथ-साथ बैठकर के नए बिहार के निर्माण में आप सकारात्मक सहयोग कीजिए । इन्हीं के साथ फिर से मैं प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी बात खत्म करता हूं ।

उपाध्यक्ष महोदय : क्या कहना चाह रहे हैं बोलिए ।

श्री भाई वीरेन्द्र : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय विजय बाबू हमेशा अध्यक्षीय कक्ष की तरफ जा रहे हैं क्या बात है, कुछ बात है क्या ? ये हमेशा उठ-उठ कर के जा रहे हैं, पांच-सात बार मैं गिना हूं ।

उपाध्यक्ष : अब आप बैठ जाइए । माननीय सदस्य, श्री अखतरूल ईमान ।

श्री अखतरूल ईमान : जनाबे डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं इसके लिए शुक्रिया अदा करता हूं और मैं इस वक्त मौजूद वजीरे आला जनाबे नीतीश कुमार साहब ने जो विश्वास प्रस्ताव पेश किया है मैं उसके समर्थन में खड़ा हूं । हरचंद के इस गठबंधन में चाहे वजीरे आला हों या नायब वजीरे आला हों इस गठबंधन ने मेरा समर्थन नहीं मांगा लेकिन उसके बावजूद भी इस समर्थन में खड़ा ही नहीं हूं बल्कि मैं पूरे मंत्रिमंडल को मुबारकवाद भी दे रहा हूं । क्यों दे रहा हूं, उसकी वजह क्या है ? उसकी वजह यह है कि मैं मजलिस-ए-इत्तेहादुल-मुस्लिमीन कभी मुफाद की सियासत नहीं करती, हम उसूलों की सियासत करते हैं चूंकि संघ परिवार के खिलाफ, भाजपाइयों की नफरत के सियासत के खिलाफ इस गठबंधन को बनाया गया है मैं इसलिए उसको मुबारकवाद देता हूं । मैं समझता हूं डिप्टी स्पीकर साहब कि इस वक्त बिहार ने अपनी ताकत का फिर से एक मर्तबा लोहा मनवा लिया है कि नफरत की वो आंधी जो चल रही थी उसको रोकने का काम किया गया है लेकिन मैं समझता हूं कि इस वक्त हमारे वजीरे आला और नायब वजीरे आला दोनों के दो बड़े नारे हैं । एक का नारा है कानून की हुक्मरानों और दूसरे का नारा है समाज-ए-इंसाफ तो मैं समझता हूं कि भाजपाइयों ने जो नफरत की, नफरत की आग में वे खुद जल गए और इन्होंने जो वायदा किया है यह वायदा इनको निभाना पड़ेगा इसलिए मैं गुजारिश करना चाहता हूं । गुजारिश क्या करना चाहता हूं महोदय कि देश की राजनीतिक जब तक देश आजाद न हुआ था सब लोग एक कौम थे लेकिन देश को आजादी मिलते ही भाषावाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद के नारे गूंजे

और नतीजा हुआ है कि राजनीति कहीं न कहीं जातिवाद का शिकार हो गई है । जातिवाद के शिकार होने के नतीजे में यादव भाइयों को मौका मिला सत्ता में आने का, यादव समुदाय के भाइयों की तरक्की हुई । कुर्मी भाइयों को मौका मिला, नीतीश कुमार जी आए तो कुर्मी भाइयों को इंसाफ मिला, आगे बढ़ने का मौका मिला । राहुल गांधी आए तो राहुल के परिवार को फायदा मिला लेकिन मैं पूछना चाहता हूं अशफाक और हमीदुल्लाह खान के खानदान के लोगों को कब इंसाफ मिल पाएगा । मैं यह चाहता हूं, मैंने यह मुतालबा किया है, मैं सरकार के सामने मुतालबा कर रहा हूं सरकार की तौहीन नहीं कर रहा हूं कि सरकार अकलियतों के साथ इंसाफ करने का वायदा करती है वायदा निभाए । मैं उम्मीद करता हूं अलीगढ़ के मसले हल होंगे । दफा 371 के तहत जो स्पेशल जोन करार देने की बात सीमांचल से उठी है जिसका समर्थन जनाबे तेजस्वी साहब ने भी किया है मैं समझता हूं कि इस पर जरूर यह सरकार विचार करेगी । मैं समझता हूं कि सीमांचल में जो सैलाब की तबाही है, जो अकलियतों के कब्रिस्तान का मसला है...

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कीजिए ।

श्री अखतरूल ईमान : और जहां तक मामला है रोजगार देने का वायदा किया है, मैं साधुवाद देता हूं सरकार को कि कम से कम दस लाख के रोजगार में एक लाख से अधिक का रोजगार सीमांचल को दिया जाय चूंकि पलायन सबसे ज्यादा वहां पर है और मैं समझता हूं कि अल्पसंख्यकों के कब्रिस्तानों पर जो नाजायज कब्जा हुआ है यकीनन है कि उसको आजादी मिलेगी ।

उपाध्यक्ष : ठीक है बैठ जाइए ।

श्री अखतरूल ईमान : आखिर में मैं एक बात कहकर जाना चाहूंगा...

उपाध्यक्ष : सरकार का जवाब होगा बैठिए ।

श्री अखतरूल ईमान : महोदय, लेकिन मामला यह है कि कुर्सियों की वजह से मान-सम्मान मिलना ही नहीं, खुद ऐखलाकी में भी इजाफा होता है और मैं समझता हूं मैंने सरकार से अपनी पार्टी की ओर से मुतालबा किया था कि ऐ-काश आप एक अकलियत के दरम्यान में से एक नायब वजीरे आला एक मुख्यमंत्री पेश कर दीजिए ताकि अकलियत के समाज को भी मिले...

उपाध्यक्ष : अब समाप्त कर दीजिए ।

श्री अखतरूल ईमान : चूंकि अकलियत के समाज में अबकी बार की जो गठबंधन की हुकूमत बन रही है सबसे ज्यादा ढोल और खुशी के पटाखे अगर किसी ने फोड़े हैं तो अकलियत के समाज के लोगों ने फोड़े हैं इसलिए अकलियत के लोगों को इंसाफ दिया जाएगा ।

उपाध्यक्ष : ठीक है ।

श्री अखतरूल ईमान : मैं उम्मीद और आशा करता हूं कि यह सरकार अकलियतों के साथ, दलितों के साथ, एस0सी0/एस0टी0 के साथ, बाबा जी के पैरोकारों के साथ इंसाफ करेगी । बहुत-बहुत शुक्रिया ।

उपाध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री, श्री नीतीश कुमार जी ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : समय आपका लिखित नहीं आया है, आता तो बुलवाते नहीं । समय नहीं आया है । बोलने दीजिए न । अब हो गया तो बोलने दीजिए न । अब बैठ जाइए न । आपका नहीं आया है, लिखित रूप से नहीं आया है ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : अब बोल दिए तो, सदन के नेता बोल रहे हैं ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमने इस सदन के समक्ष विश्वास का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है और इस पर काफी चर्चा हो गई । विधान सभा में मौजूद सभी दल के लोगों ने अपने विचार रखे हैं और सब लोगों ने जो अपनी बात रखी मैं उनका अभिनंदन करता हूं, सब लोगों ने अपने-अपने ढंग से अपनी-अपनी बात रखी है मुझे किसी पर एतराज नहीं है । अब आज जो चर्चा हो रही है, आज जो विपक्ष में हैं उनको छोड़कर के, हमलोग इधर आकर के एक साथ मिले हैं और अब सात पार्टियां एक साथ हो गई हैं । पहले चार पार्टी थी एक पार्टी को तो अपने में ले लिए, पार्टी को निकाल दिए और बाकी जो तीन पार्टी रही तो दो पार्टी उधर से निकल कर के और इस तरफ पांच पार्टियां थीं मिलकर के एक हुईं । अब जो बात थी, जो सारी बात थी हमसे तो जितना संभव था हम काम करते रहते थे और आज सब बोल रहे हैं हमको कोई किसी के बारे में कुछ कहना है ? सब लोगों को मालूम है न कि हम कितना सबको प्रेम और सम्मान करते थे ? हमने कभी कुछ सोचा है इधर-उधर, आपलोगों को लेकिन बात जान लीजिए हमको कोई आपलोगों के प्रति नहीं है एतराज, अब अध्यक्ष को छोड़ना पड़ा था, हम समर्थन नहीं देते तो ये कैसे होते । जरा बताइए, जब पहली बार हमारे साथ ये थे तो हमलोग तो चाहते थे कि भाई ये रहें लेकिन कहा गया चुनाव के बाद कि नहीं साहब, तो नहीं हुआ और जो ये लोग बात कर रहे थे तो यही...(व्यवधान) बैठिए, बैठिए न भाई किसलिए कर रहे हैं । आप बताइए आपके साथ कितना घूमते रहे हैं चुनाव से लेकर के सब जगह, प्लीज सुनिए न मेरी बात । हम कहीं आप लोगों पर कुछ कह रहे

हैं ? हमको उस समय कहा गया कि नंदकिशोर यादव जी को बनाएंगे तब हमने कहा भाई नंदकिशोर यादव तो हमारे पुराने मित्र हैं, साथी हैं वे अगर बनेंगे तो ठीक बात है लेकिन बाद में नंदकिशोर यादव जी को भी नहीं बनाया और बनाया आपको तो हम क्या करते आपको, आप तो पहले थे ही मंत्री लेकिन आप जरा बता दीजिए जो रिजल्ट आया इस बार वर्ष 2020 का, अब उस पर तो आप सब को मालूम है न । आप आज उसका खाली 2020 की चर्चा कीजिएगा, याद कीजिए न 2005 जब हमलोग एक साथ लड़े, 2005 के फरवरी में क्या वोट आया और लास्ट तीसरी बार में हमको घोषित किए थे तो तीसरी बार कितना वोट आ गया था हमलोगों को और उसके बाद जब चुनाव हुआ 2005 में तो क्या स्थिति हुई, 88 और 55 और उस पर सरकार बनी और पूरा का पूरा काम किए हमलोग और फिर क्या हुआ था 2009 में जब लोकसभा का चुनाव हुआ तो हमलोग कितना जीते थे जे0डी0यू0 20 और आप लोग बी0जे0पी0 12 तो हमलोग तो सब करते रहे और 2010 में चुनाव हुआ तब क्या हुआ 115 और आप थे 91 और मिलकर के लड़े क्या हुआ बताइए और आज...

(व्यवधान)

सुनो न, बैठो, तुम क्या जानते हो, बैठो...(क्रमशः)

टर्न-18/सत्येन्द्र/24-08-2022

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री (क्रमशः) : जिस दिन आपके पिताजी की मृत्यु हो गयी और उस दिन पूरे पटना में मात्र 18 प्रतिशत वोट हुआ था और तब आप जीते थे, हमलोग आपके लिए काम कर रहे थे और आपके पिताजी के साथ मेरा क्या संबंध पौराणिक है और उनका डेथ हो गया और तुरंत हमलोग सरकार में आये और जब आप ही को बनायेगा, बोलो मत चुपचाप सुनो, हम कितना प्रेम करते रहे, कितना सम्मान देते रहे ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्षः आपको बार-बार उठने की बीमारी है, बैठिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्रीः देखो, बोलना जरूर, बोलोगे तभी केन्द्र वाला कुछ आगे बढ़ावेगा, नहीं अगर मेरे खिलाफ बोलोगे तो कोई नहीं आगे बढ़ावेगा । अब आप समझ लीजिये, हम तो नहीं थे तैयार, जो हालत हो गयी थी इस बार के चुनाव में, 2010 के चुनाव में, सॉरी 2020 के चुनाव में और जो हालत हो गयी थी और हम जब घुम रहे थे, तभी बात हो

रही थी, देख रहे थे, किसको खिलाफ में खड़ा करा दिया गया था , सब चीज के बावजूद हमारे मन में कोई बात नहीं थी और हमने कहा था कि नहीं भाई, ज्यादा सीट आप जीते हैं, आपका बनना चाहिए मुख्यमंत्री लेकिन मेरे ऊपर पूरा दबाव दिया गया कि नहीं साहब, आप ही संभालिये, बन जाईए तो अंत में हम तैयार हो गये लेकिन आप जानते हैं जिस आदमी को हमने अपनी पार्टी में नीचे से ऊपर लाया और उसको उधर दिया, उसको किस तरह से अंदर में कर के और अंत में, हमने एक बार अपनी जगह पर 2020 के दिसम्बर में, जब हम राष्ट्रीय अध्यक्ष थे पार्टी के, पर हमने अपनी जगह पर दे दिया और बाद में अपनी मर्जी से कोई कहीं गया और अंदर चला गया, हमारे पार्टी के तमाम लोग बोलने लगे कि साहब बहुत गड़बड़ हो रहा है, बहुत गड़बड़ हो रहा है । हम नहीं सुनते थे कोई बात, हमारे मन में कोई बात नहीं थी पर आज जो भी कहता है कि हम अलग हो गये हैं और बनना चाहते हैं हम आगे, हम कुछ नहीं बनना चाहते हैं लेकिन आप जान लीजिये, आज हम काम कर रहे हैं तो आज आपको दिक्कत हो रही है कि अलग हो गये, बताईए तो, 2017 में हम अलग हो गये थे इनसे, आप बोलिये न, इनलोगों के ऊपर जो किया गया था उसका पांच साल बीत गया, अब तो इनलोगों के पास कुछ नहीं है, जो उस समय कहा गया था इनलोगों के बारे में कि ये चीज है लेकिन अब तो कुछ नहीं है । आप समझ लीजिये, वहां से इतना कहा गया और मेरे साथ लोग इतनी बातचीत करके अपने साथ लाये, तो हमने जो भी था किया लोकसभा के चुनाव में लेकिन विधान-सभा के चुनाव में क्या हो गया, विधान-सभा के चुनाव में हो गया कि हम खत्म हो जायें, हमको तो कोई मतलब नहीं था भाई लेकिन जब अपने लोगों से और बताईए हमको अच्छा लग रहा था । आप जरा सोचिये तो किनको किनको हटाया, सुशील कुमार मोदी जी उपमुख्यमंत्री थे, भई हमने कहा कि हमको बना दिये और सुशील मोदी को क्यों नहीं बना रहे हैं उनको नहीं बनाया । अब जरा बताईए, प्रेम कुमार जी को नहीं बनाया पुराने साथी, नंद किशोर जी को नहीं बनाया । ये सब लोग को जो पुराने साथी थे, राम नारायण मंडल, विनोद नारायण झा और भी कई लोगों को नहीं बनाया, खाली पहले वाले मात्र दो लोगों को बनाया । हमको लगा कि चलिये, उनकी पार्टी है जो भी करें और आज स्थिति है जैसी स्थिति है, आप जो भी लोग थे, आप जरा बताईए, हम किसी

से कुछ कहते थे, काम ही कर रहे थे, बात कर रहे थे जो कुछ भी था लेकिन इसमें आपलोगों का कुछ नहीं है लेकिन धीरे धीरे जो दिल्ली से ये खबर आयी कि हम सब चीज को छोड़कर इनलोगों के साथ हैं, इनको छोड़कर हम इधर आ गये थे और क्या हुआ, अभी तो आप बतला रहे थे, उस समय तो हमको बड़ा खराब लगा था भाई, 2017 की बात है, जब मीटिंग हो रही थी, हमलोग जहां आप समझिये, पटना यूनिवर्सिटी की बात थी, हमने कहा कि भाई इसको नेशनल बना दीजिये, राष्ट्रीय सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी लेकिन आप उसको नहीं माने । पहले सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी हुआ करता था, अरे अब तो आप लग जाईए न, हम इतना दिन से सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी के लिए कहे हैं, कर देंगे दिल्ली बाले तो आजकल प्रचार तो केवल दिल्ली का होता है, खाली दिल्ली का प्रचार होता रहता है, सारा सोशल मीडिया से लेकर एक-एक चीज पर, सारे प्रेस सब चीज पर कब्जा है और इसलिए छपेगा तो कोई याद ही नहीं रखेगा कि हमलोग डिमांड भी कर रहे थे कि पटना यूनिवर्सिटी को बना दिया जाय सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी बनाने की और दिल्ली वाले जब बना देंगे तो केवल यही चर्चा करते रहियेगा कि केन्द्र ने पटना यूनिवर्सिटी को बना दिया सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, फायदा लीजियेगा तो जो चीज हम शुरू से कहते रहे तो मेरी बात तो सुनते नहीं थे, आप जरा बताईए, हम कितनी बात जाकर करते रहे और आपको मालूम है न, जब आपलोग साथ आ गये थे 2017 में, तो उसके पहले से न सात निश्चय था हर घर नल का जल के लिए भी, आप यह बतलाईए, हर जगह एक एक चीज..

(व्यवधान)

अरे बैठिये न, इस सब में क्या है। हम दूसरी बात, सुनिये, आप तो कहां से कहां हो जाते हैं कोई ठिकाना है आपका, आप तो कुछ कुछ बोलते ही रहते हैं रेगुलर ऐसे ही, पहले कहां थे और फिर कहां गये, कुछ बोलते जो रहते हैं यह सब छोड़िये, हम सब देखते रहते हैं, उस सब की बात छोड़ दीजिये लेकिन आप बतलाईए कि जो सात निश्चय में था सब के लिए ..

(व्यवधान)

हम नहीं सुन पा रहे हैं आप क्या बोल रहे हैं। अरे हम आपलोगों को कुछ कह रहे हैं दिल्ली से जो हुआ, उस पर कह रहे हैं और एक बात जान लीजिये, हमलोगों ने जो

किया और आपलोग जब साथ आये तो मेरा पहले से जो इनलोगों के साथ सात निश्चय तय था, उसको आप भी मानें और उसके बाद जो बात हुई दिल्ली में एक बार मीटिंग हो रही थी, तब हमसे पूछा गया कि आप जो कह रहे हैं हर घर नल का जल, उसको करियेगा मेनटेन तो हमने कहा बिल्कुल होगा मेनटेनेंस, ऐसे थोड़े होगा कि खाली पहुंचा देंगे और बाद में नहीं होगा और बाद में जब केन्द्र ने जब इसको तय किया और आप लोग आ गये थे, तब न दिल्ली से कहा गया कि 6 हजार करोड़ रू0 देकर के कि मान लीजिये, दिल्ली वाला मान लीजिये ताकि दिल्ली का हो जाय कि बिहार में हर घर नल का जल, आप ही लोगों के पार्टी के थे हमने उनको निवेदन किया कि इस बात को नहीं लिखना, लिख दीजिये कि यहां पर पहले से हो रहा है तो आप बताईए, बिहार में तो शुरू हुआ, अब देश में पूरा कर रहे हैं और न्यूज आता है, अरे भाई ये भी तो कहना चाहिए कि हर घर नल का जल बिहार जैसे गरीब राज्य में हमलोगों ने करने का तय किया और यहां पर आपलोग भी सहमत हुए तो हम तो नहीं न माने और फिर 2020 के बाद भी आ गया दिल्ली से कि फिर पैसा ले लीजिये और मान लीजिये कि दिल्ली का है, हमने फिर कहवा दिया सवाल पैदा नहीं होता है । हम राज्य सरकार की तरफ से कर रहे हैं तो यह राज्य का है, ये केन्द्र का नहीं है तो एक-एक चीज पर बात हो रहा था, यहां जो भी काम करते हैं, तो अब यहां के बारे में वहां से होने लगता है कि ये हो रहा है और आप लोग तो साथ में थे शुरू में, तो यहां पर जो हमारे पुराने साथी बैठे हुए हैं इनको मालूम नहीं है, ये नहीं देख रहे थे, रोड से लेकर एक-एक चीज इसको अलग अलग समय और आप बतलाईए, हमलोगों ने कितना सड़क का निर्माण शुरू करवाया, कितना ज्यादा कराया। अब कौन गांव बचा है, जहां हमने सड़क नहीं पहुंचा दिया है ।

(व्यवधान)

बैठिये, आप ही की न तारीफ कर रहे हैं । छोड़ दीजिये, ये कोई केन्द्र सरकार के चलते यहां सड़क नहीं है, यहां पर है और आपलोगों को मालूम नहीं है, अरे भाई बैठो, ग्रामीण इलाकों में सड़क बनाने का निर्णय कब हुआ जानो, यह निर्णय कौन लिया, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार ने लिया और आपको मालूम है, हम अटल बिहारी

वाजपेयी जी की सरकार में थे और जब हम अलग हो गये थे जनता दल से जार्ज साहब के साथ और बाद में आप कितना मानते थे जरा बताईए,,

(व्यवधान)

उपाध्यक्षः बैठिये, सदन नेता बोल रहे हैं।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्रीः श्रद्धेय अटल जी, लालकृष्ण आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी जी, ये सब केन्द्र में थे, मालूम नहीं है, बच्चे हो, जान न लो जरा जी, ये बैठकर के उस समय की सरकार ने तय किया, अटलजी की सरकार ने तय किया कि हमलोग पूरे बिहार में, गांव में सड़क पहुंचायें, उस समय हमलोग उनके साथ थे और काम शुरू करवाया गया सब कुछ और एक-एक चीज शुरू किया गया उसी समय (क्रमशः)

टर्न-19/मधुप/24.08.2022

...क्रमशः..

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : यह कोई आज की सरकार का नहीं है कुछ । आप जान रहे हैं कि हम 2013 में क्यों अलग हुये ? हमको कितना मानते थे, सब लोग तीनों लोग सारे नेता, जो सबसे बड़े नेता था, जब पहली बार यह पार्टी बनी तब अटल जी, उसके बाद आडवाणी जी, सब लोग आप ही के नेता थे, मुरली मनोहर जोशी जी और हमको कितना मानते थे । एक-एक बात हमने कही और मेरी बात मानते थे । हम यहाँ जिस इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़े, उस समय हम केन्द्र में थे, उस समय हमने कहा कि हम यहाँ पढ़े हैं, यह सबसे पुराना है, जब देश में मात्र 5 इंजीनियरिंग कॉलेज था, आप इसको क्यों नहीं किये, इसको भी करिये तो उस समय उसको स्वीकार किया, अलग से कैबिनेट में लाया, सब एक-एक मेरी बात मानते थे । हम तो चाहते थे, जरा जान लीजिए, 2013 में कि अटल जी की तबियत ठीक नहीं है तो इसमें बाकी जो नेता हैं, इनलोगों का होना चाहिये, आडवाणी जी का, हम तो उनके लिए कर रहे थे, सुन लो...

(व्यवधान)

बच्चे हो, उस समय तुम्हारे पिता थे, आपको क्या मालूम है । आप जान लीजिए, उसको जब ये लोग नहीं माने इसीलिये हम 2017 में आप लोगों से अलग हो गये थे । क्योंकि हमारे मन में था कि वे लोग हैं लीडर ।

(व्यवधान)

बच्चे हो, जान न लो जरा । अब जो ये आ गये, ये कोई काम किये हैं जी ? खाली प्रचार-प्रसार के एक्सपर्ट हैं । कोई काम हो रहा है ?

उपाध्यक्ष : बैठिये न । मौका मिलेगा तब बोलियेगा ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : बोलो, आगे जगह मिलेगा, जब अनाप-शनाप बोलोगे । आज बेचारे बोले हैं तो ठीक ही है कुछ बोलियेगा अनाप-शनाप तो शायद मौका मिल जाय आपको । नहीं तो हल्ला सुन रहे थे कि इन्हीं को मौका मिलने वाला है । जिसको भी मौका मिले, जो बोलियेगा अनाप-शनाप ।

(व्यवधान)

बैठिये न, आपसे कोई आज का है, हम बी0जे0पी0 से अलग थे तब भी न आप हमसे आप रोज मिलते थे । बताइये तो । यह सब क्यों बोल रहे हैं ? अच्छा है, कोई बोलेगा और मान लीजिये बाद में जगह नहीं मिली, हमारी तकलीफ जान लीजिये कि जो पहले हमारे साथ सब मिलकर काम करते थे और उनको मौका नहीं दिया ।

(व्यवधान)

आप जरा जान लीजिये । क्या बात करते हैं ?

(इस अवसर पर भा0ज0पा0 के माननीय सदस्यगण अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो गये)

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति-शांति । बैठिये ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : इतना ज्यादा दिल्ली से सिक्योरिटी का इंतजाम मिल गया है न, इसलिये बोलो और ये भी हमलोगों की पार्टी छोड़कर गये हैं तो कुछ बोलेंगे तब आप लोगों को दिल्ली वाला कुछ जगह देगा । समझ गये न । भले लोगों को जगह नहीं मिलेगा आप लोगों में से । जो अंड-बंड बोलेगा, उसी को जगह मिलेगा । आप जान लीजिये, यही है आप लोगों की पार्टी ।

(व्यवधान)

सुनना नहीं चाहते हैं ? आपलोग सुनना नहीं चाहते हैं ? भागना चाहते हैं ? कितनी देर भागोगे ? कितना मानते रहे हैं लेकिन हॉ, मेरे खिलाफ बोलो, बोलोगे तो कोई जगह तुमको केन्द्र वाला देगा । यह जरूर करो, जरूर करो । जब जगह मिलेगा, हमको अच्छा लगेगा कि कम से कम मिला । आप सब लोग एक बात अच्छी तरह जान लीजिये, हमने कितना आप सब लोगों का ख्याल रखा ।

हमारी पार्टी के सब लोगों ने समझ लिया कि ये सारे लोग कैसे हैं । अब आप चले गये, अच्छा है, आप थोड़े ही विरोध करियेगा । आप यह न बताइये, 7 पार्टी इधर

है, 1 पार्टी भी समर्थन कर रहा है, 8 पार्टी है । तब आप लोग जाइयेगा नहीं तो कुछ है आप लोगों का, कुछ है ? इसलिये भाग रहे हैं । कहा गया होगा, उपर से कहा गया होगा, इसीलिये आप लोग भाग रहे हैं तो आप लोगों में से किसी न किसी को जगह मिलेगी ।

(इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यगण सदन से बाहर चले गये)

यह सब काम जो रहा था, इसी के चलते तो हमको छोड़ना पड़ा । हम जब 2017 में छोड़कर गये और इन लोगों ने जब कोई काम नहीं किया और हमलोगों को नाश करने लगे, हमारी पार्टी के तमाम लोग भीतर से बोलने लगे और अंत में हम लोगों ने तय किया, आप सब लोगों से बात होती थी, जब यह तय हो गया कि हमलोग पहले जहॉ थे, वहॉ पर चले जायें, अब एक साथ हम आ गये हैं, अब कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है, अब हमलोगों का संकल्प है कि हमलोग मिलकर सारा काम करेंगे, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा और हमलोग सब लोगों से अपील कर रहे हैं, देश भर से कितने विभिन्न प्रांतों के विभिन्न दलों के लोगों ने हमको फोन किया है कि ठीक किया यह निर्णय लिया और हमने कहा कि सब मिलकर लड़ियेगा, एक साथ होकर लड़ियेगा तो 2024 का जो चुनाव का रिजल्ट होगा, अब क्या होता है, क्या-क्या तरह का दिल्ली से चल रहा है, कोई काम हो रहा है, खाली प्रचार हो रहा है, सिर्फ प्रचार हो रहा है, लोगों की आमदनी कितनी घट रही है, किस तरह का काम हो रहा है । तो इस तरह से तो वहॉ से चल रहा है और सिर्फ प्रचार-प्रसार रोज-रोज और काम नहीं । तो इसीलिये हमलोग अब काम करेंगे और मिलकर सब लोगों को हम कह रहे हैं पूरे देश में कि जरा मिलकर एकजुट होकर काम करिये तब फिर सही मौके पर आइयेगा । एक बार अगर किन्हीं को मौका मिला, काम नहीं मिला ।

अब तरह-तरह का नाम दे रहे हैं । आजादी से क्या मतलब था ? 75वॉ साल में कह रहे थे कि यह होगा, यह होगा । अरे भाई, आजादी की लड़ाई में कहॉ थे ? आजादी की लड़ाई लड़ने वाले कौन थे ? आजकल कुछ न कुछ, कुछ न कुछ कहते रहेंगे और उसके बाद अंत में ये तो बापू को भी खत्म करेंगे । यह आप जान लीजिये क्योंकि जिस तरह से हो रहा है । एक बात और, समाज में बिना मतलब का टकराव पैदा करना और कभी भी हिन्दू-मुस्लिम का कुछ झंझट नहीं है लेकिन कुछ लोग चक्कर में रहते हैं, समाज में तो कुछ न कुछ इधर-उधर सोचने वाला होगा ही, कहीं न कहीं इधर से उधर करना और उसका लाभ लेना । अब हमलोग एकजुट हुये हैं, एक-एक गॉव, एक-एक जात, हर लोगों के बीच हमलोग इन सब बातों को रखेंगे और ये क्या चीज हैं?

यह तो भाग गया, यह भाग गया, आप लोग भी जान लीजिये, 2010 में हमारे साथी थे लेकिन आप जानते हैं, मायनोरिटी ने वोट किया और कहाँ किया, गया में भी वोट दिया, सारे पत्रकारों ने वहाँ से रिपोर्ट किया कि मेरा साथ दे रहे थे और मेरे चलते मेरे एलाइ बी0जे0पी0 को भी मुस्लिम लोग गया में साथ दे दिये थे और आज गया में क्या-क्या बोल रहे हैं ? क्या गया के बारे में बोल रहे हैं जब हम एक-एक चीज वहाँ पर काम कर रहे हैं । देख लीजिये, इनलोगों का काम है सिर्फ और सिर्फ समाज में झंझट पैदा करना । जब सब एकजुट होकर रहेंगे तो उसके बाद इनको कोई नहीं पूछेगा और याद करिये जब आजादी की लड़ाई हुई थी उस समय की स्थिति को फिर से पैदा करिये । अब इतना दिन हो गया, 75 साल हो गया तो नई पीढ़ी के लोग भूल जाते हैं, इसलिये तो हम कहते हैं, आप जानते हैं कि हम तो पूरे बिहार में बापू का एक-एक चीज हमलोग इसको हर जगह पर पहुँचा कर और आजादी की लड़ाई में जो हुआ, उन सब लोगों की बात को पहुँचाने का हम काम कराते रहते हैं ताकि नई पीढ़ी के लोग एक-एक चीज को जानें । नहीं तो ये लोग खाली अपनी बात को चलायेंगे और धीरे-धीरे सबको खत्म कर देंगे । अभी तो आज यह चीज है न, यह सब जितना चीज आ गया है इसी को देखते हुये और फिर अब तो कितना ज्यादा, प्रेस वाले भी इंडीपेंडेंट रहते थे, अब क्या बोलें यहाँ? अंदर-अंदर उसमें क्या-क्या किया जा रहा है ताकि एकतरफा सब, अब जो मन करे जितना दुष्प्रचार करें लेकिन हमलोग मिलकर काम करेंगे और पूरे देश में सब लोगों को एकजुट करेंगे, फिर आगे मौका नहीं मिलेगा ।

ये लोग भाग गये हैं, ये लोग इसलिये भाग गये हैं कि सुनना नहीं चाहते हैं न। अब समझ लीजिये, सच्चाई है, सच्ची बात को सुनकर नहीं जाना चाहते हैं और मेरे सामने कितना बात बोल देते थे ?

...क्रमशः...

टर्न-20/आजाद/24.08.2022

..... क्रमशः .....

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : लेकिन फिर भी वहां से आकर बोला जाता था । आप बताईए न, जब इन लोगों की मीटिंग हो रही थी, क्या नहीं हुआ, हमलोगों ने तो सबका साथ दिया, राष्ट्रपति के चुनाव में, उप राष्ट्रपति के चुनाव में, सब कुछ कर दिया, हमारे सब लोग कह रहे थे लेकिन हमने कहा कि एक बार हमने कह दिया है, मुझको फोन आया । उसके बाद ही हमलोगों ने आपस में बातचीत करके तय किया कि आगे हमलोग एकजुट

होकर चलेंगे और अपने बिहार में जब हमलोग सब मिलकर चलेंगे तो आप जान लीजिए कि कुछ नहीं मिलने वाला है, कुछ नहीं होने वाला है । ये साथ में थे, सरकार में थे तो कैसा-कैसा प्रचार करते रहते थे बताईए न, जब हमलोग हैं तो मिलकर के एक-एक जगह काम करें, एकजुट होकर काम करें और सब लोगों को प्रेरित करें और याद करा दें, आजादी की लड़ाई को याद कराकर के हर चीज को याद कराते हुए सब मिलकर करेंगे तो जाकर के ये लाख चाहे तो कुछ नहीं मिलने वाला है । हमने तो 2013 में बता दिया कि क्यों छोड़े, जो पुराने लोग हैं, उनसे कोई पूछ लें, हमलोगों के बारे में क्या उनकी राय है, बाकी में अब जो हो, आपलोगों को जो चलाना है, चलाईए, जो इच्छा है करते रहिए अपना, लेकिन हमलोग एकजुट होकर चलेंगे और निश्चित रूप से समाज में प्रेम और भाईचारे का भाव रहना चाहिए, ये टक्कर पैदा करना चाहते हैं, झगड़ा पैदा करना चाहते हैं, यह सब चीज हमलोग नहीं होने देंगे और मिलकर के हम सबलोग एकजुट किये रहेंगे ताकि समाज इधर से उधर नहीं हो । कुछ लोगों को बहुत तरह से अन्दरूनी कारण से कोई किसी तरह से फंसा हुआ है और उसको कहा जायेगा कि यह काम करो तो वह इधर से उधर करेंगे । लेकिन जो लोग भी हैं, सब लोग मिलकर के समाज में काम करेंगे.....

आप सबको मालूम है और आप सभी लोगों से आग्रह करेंगे, हमलोगों को यही सोचना चाहिए । ये तो भाग गये, रहते तब न इनको और बात बताते, हम तो एक-एक चीज बता देते कि क्या हो रहा था, लेकिन चलिए, अब इनको जो इच्छा हो, अब कोई सवाल नहीं, आगे इनको ठीक ढंग से पता चलेगा, आप जान लीजिए, हम तो आप लोगों के साथ हैं, हम तो भले ही आज हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमको व्यक्तिगत इच्छा है । हमारी एक ही इच्छा है कि सब एकजुट होकर के बिहार को आगे बढ़ायें, देश को आगे बढ़ायें, हम सबका साथ देंगे । आप सब लोग मिलकर के आ गये, अब बहुत खुशी की बात है । इसलिए हम यही कहेंगे कि आप सब लोगों से यही अनुरोध करेंगे कि हमने अपना प्रस्ताव रखा है, उस प्रस्ताव को सब लोग मिलकर इसको पारित करिए । वे तो भाग ही गये, देख न लिये । भाग गये, अगर ये रहते तो हम इनको बताते और समझाते ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, प्रश्न यह है कि

''यह सभा वर्त्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है । ''

जो इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं, वे हां कहें और जो प्रस्ताव के विपक्ष में हैं, वह ना कहें,

मैं समझता हूँ कि पक्ष में बहुमत है, पक्ष में बहुमत है, यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ । वर्त्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास प्रस्ताव पारित हुआ.....

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, आज जो विश्वास मत पेश किया गया है, इसका परिप्रेक्ष्य आप जानते हैं कि हमलोगों ने 9 अगस्त को महामहिम से मिलकर बहुमत का दावा करके सरकार बनाने के लिए आमंत्रण का उनसे अनुरोध किया था और हम उनके आभारी हैं कि उन्होंने हमारा बहुमत मानकर के हमने उनसे कहा था कि अगर वे कहें तो हम विधायकों के परेड यानी पूरी गिनती कराने को तैयार हैं और उन्हीं के निर्देश पर आज माननीय मुख्यमंत्री जी ने विश्वास मत पेश किया है और आज सदन में विश्वासमत पारित हो रहा है लेकिन महोदय, हम आपसे निवेदन करेंगे कि आप निश्चित रूप से इस पर विभक्त होकर गिनती कराकर मतदान करा दें, जिससे बिहार की जनता को भी यह मालूम हो जाय कि हमलोगों ने कोई गलत दावा नहीं किया है, हमारे पास बहुमत है, संख्या है, इसीलिए हमने दावा किया था ।

(इस अवसर पर भा0ज0पा0 के माननीय सदस्यगण सदन में आ गये)

महामहिम महोदय ने जो हमलोगों को मौका दिया है, वह उचित है । इसलिए हमारा आपसे अनुरोध है कि आप निश्चित रूप से इसको विभक्त होकर और गिनती कराकर मतदान की प्रक्रिया से इसका समापन करें ।

उपाध्यक्ष : सचिव, घंटी बजायें ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : महोदय, यह विश्वास प्रस्ताव पारित हो गया है, अब आप विभिन्न समितियों का जो प्रतिवेदन है, उसको ले करें । महोदय, उसको ले करें । महोदय, जब आपने बोल दिया कि विश्वासमत पारित हो गया है तो फिर इसपर मतदान कराने का क्या औचित्य है?

उपाध्यक्ष : विभक्त होकर मतदान होगा ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : नहीं, नहीं, क्यों होगा मतदान ? महोदय, जब आपने इसको पारित कर दिया है, जब विश्वासमत पारित कर दिया है तो क्यों होगा मतदान ? मतदान नहीं होगा, आप विभिन्न समितियों का प्रतिवेदन पेश कीजिए । यह गलत हो रहा है ।

उपाध्यक्ष : मतदान होगा ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : क्यों होगा मतदान ?

उपाध्यक्ष : आप आसन को आदेश नहीं दे सकते हैं ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : आदेश की बात नहीं है, नियमावली का हनन नहीं होने देंगे । जब विश्वासमत पारित हो गया है तो फिर वोटिंग का क्या औचित्य है ? इस तरह से सदन नहीं चलेगा । हमलोग फिर सदन का बहिष्कार करते हैं ।

उपाध्यक्ष : ठीक है, बहिष्कार कीजिए ।

श्री तारकिशोर प्रसाद : यह तो सदन की अवमानना है । अगर आपने विश्वासमत पारित कर दिया तो फिर इसको मतदान कराने का क्या औचित्य है ? आप निष्पक्ष नहीं हैं .....

उपाध्यक्ष : यदि मतदान हो ही जायेगा तो इसके लिए क्यों घबराहट हो रही है । जितना आपका सदस्य है, वह खड़ा होगा और जितना उधर के तरफ से हां के पक्ष में होंगे, उसका मतदान होगा, इसमें घबराने की क्या बात है ?

श्री तारकिशोर प्रसाद : यह गलत हो रहा है, हमलोग सदन का बहिष्कार करते हैं ।

उपाध्यक्ष : ठीक है ।

(इस अवसर पर भा0ज0पा0 के माननीय सदस्यगण ने सदन से बहिर्गमन किया)

(घंटी)

उपाध्यक्ष : सभा सचिव, घंटी बंद करें ।

माननीय सदस्यगण, मैं एक बार पुनः रखता हूँ कि -

''यह सभा वर्त्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास व्यक्त करती है । ''

जो इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं, वे हां कहें, जो इस प्रस्ताव के विपक्ष में है, वे ना कहें ।

मैं समझता हूँ कि खड़ा होकर के एक-एक करके गिनती हो जाय तो अच्छी बात होगी । सदन में कितनी संख्या हां के पक्ष में है सरकार के पक्ष में, इसको जनता भी देखेगी ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : इससे जनता में साफ होगा महोदय कि हमलोगों ने बहुमत के आधार पर दावा किया था ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यों की गिनती की जाय हां पक्ष की ।

(खड़े होकर मतदान की प्रक्रिया)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यों से आग्रह है कि आपलोग अपने-अपने स्थान पर बैठ जायं ।

माननीय सदस्यगण, वर्त्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास प्रस्ताव पर विभक्त होकर मतदान का जो फल आया है, यह निम्न प्रकार है -

प्रस्ताव के पक्ष में - 160

प्रस्ताव के विपक्ष में - 0

अतएव यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ । वर्त्तमान राज्य मंत्रिपरिषद् में विश्वास का प्रस्ताव पारित हुआ ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सदन में आप सभी माननीय सदस्यों को एक आवश्यक सूचना देना चाहता हूँ कि हमारे सभा सचिवालय को अभी-अभी यह सूचना दी गई है कि बिहार विधान सभा के अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए महामहिम राज्यपाल द्वारा दिनांक 26.08.2022 की तिथि निर्धारित की गई है । इस संबंध में आवश्यक सूचना पत्र के माध्यम से आप सबों को आज ही संसूचित की जायेगी और कल नामांकन भी है, जो नये अध्यक्ष आयेंगे, निर्वाचित होंगे, उनका कल नामांकन 11.00 से 12.00 बजे के बीच में है।

माननीय सदस्यगण, अब सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक 26.08.2022 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।

xxx - आसन के आदेशानुसार इस अंश को विलोपित किया गया ।

.....